# मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 25 सितंबर 2024
संवत 2081, आश्विन कृष्ण 8 संवत मूल्य-2 रुपये
वर्ष-8, अंक 21 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरुरत

पुष्पा-2 से तृप्ति डिमरी का आइटम सॉन्ग हुआ रिजेक्ट ◂◂ 6


## सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

# बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ दिलाने की मांग, कहा- हक के लिए कुर्बानी मंजूर

मेट्रो रेज

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये की मांग की है। सीएम ने अपने पत्र की प्रतियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि हमारी मांग सिर्फ न्याय की है, विशेषाधिकार की नहीं। झारखंड के लोगों ने अपने राज्य के लिए लंबा संघर्ष किया है और अब हम चाहते हैं कि हमारे संसाधनों एवं अधिकारों का उचित उपयोग हो। उन्होंने कहा कि झारखंडियों का हक मांगो तो ये जेल डाल देते हैं, पर अपने हक के लिए हर कुबानी मंजूर है।

### हेमंत सोरेन बोले- हम स्पेशल स्टेटस नहीं मांग रहे

हेमंत सोरेन ने ट्वीट कहा कि हम भाजपा के सहयोगी राज्यों की तरह स्पेशल स्टेटस नहीं मांग रहे, न ही हम कुछ राज्यों की तरह केंद्रीय बजट का बड़ा हिस्सा मांग रहे हैं। हमें बस हमारा हक दे दीजिए, यही मांग है। हम अपने बकाये के 1 लाख 36 हजार करोड़ से झारखंड को विकास के नए पथ पर ले जाएंगे। ऐसा विकास जो हमारे पर्यावरण, आदिवासी/मूलवासी एवं हर एक झारखंडी समुदायों के हितों की रक्षा करें। हम शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करेंगे, ताकि हमारे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके। हम अपनी भाषा और संस्कृति को और बेहतर संरक्षण करेंगे, ताकि हमारी पहचान बनी रहे। हम हमारे युवाओं को रोजगार के नए आयाम उपलब्ध करायेंगे और उसके आभाव में उन्हें उचित भत्ता देंगे।

### हेमंत सोरेन ने कहा- जल्द फैसला लें केंद्र सरकार

**हेमंत सोरेन** ने अपने ट्वीट में आगे लिखा कि हमारे हक पर केंद्र सरकार जल्द फैसला ले। झारखंड के विकास में बाधा न बने, बल्कि सहयोगी बने। हम अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे, चाहे इसके लिए कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती पर जन्मे हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह अपने राज्य के हितों की रक्षा करें। हम एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे, लड़ेंगे और अपना हक अपने पुरखों की तरह लेकर रहेंगे।

## गुजरात : तेज रफ्तार कार ट्रक में घुसी, सात लोगों की मौके पर मौत

**नयी दिल्ली :** गुजरात से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां साबरकांठा जिले में हिम्मतनगर के पास आज सुबह-सुबह तेज रफ्तार इनोवा कार एक ट्रक के पीछे घुस गयी। इस हादसे में सात लोगों की मौके पर मौत हो गयी। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान हनी तोलवानी के रूप में हुई है। वहीं पुलिस सभी मृतकों की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है। सभी अहमदाबाद के रहने वाले बताये जा रहे हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गये। कार की स्थिति देखकर कहा जा सकता है कि उसकी रफ्तार बहुत तेज थी।

बचाव टीम ने कार को कटर से काटकर शवों को बाहर निकालाः घटना के संबंध में बताया जाता है कि कार से सभी सभी शामलाजी से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। कार की रफ्तार बहुत तेज थी। जैसे ही कार मोडासा कड़वा पाटीदार समाजवाड़ी के पास पहुंची, चालक ने नियंत्रण खो दिया और पीछे से ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग ने बचाव कार्य शुरू किया। कार को कटर से काटकर शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

## मध्यप्रदेशः ट्रक ने ऑटो को रौंदा, सात की दर्दनाक मौत

### शवों को निकालने के लिए मंगवानी पड़ी जेसीबी

**दमोह :** दमोह जिले में एक दिल दहलाने वाली सड़क दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव के आगे बांदकपुर रोड पर हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे जा रहे ऑटो को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में ऑटो में सवार 10 लोगों में से 7 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है।

ट्रक के नीचे से ऑटो को निकालने के लिए जेसीबी बुलवाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऑटो में कुल 10 लोग सवार थे। तभी पीछे से आ रहा एक ट्रक तेज रफ्तार में आया और ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से ट्रक में फंसे ऑटो से शव और घायलों को बाहर निकाला गया। ऑटो ट्रक के नीचे घुस गया, जिसमें कुछ लोग फंस गए थे। उन्हें निकालकर अस्पताल भिजवाया गया। हादसे में मरने वालों में ऑटो चालक आलोक गुप्ता भी शामिल हैं। घायलों में गायत्री पति सिद्धू, रीता बाई पति राजेश और एक बच्चा शामिल हैं। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि ड्राइवर छतरपुर के बक्सवाहा का रहने वाला नीरज सिंह लोधी (22) है और वह शराब के नशे में था। पुलिस ने उसे मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा है। दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर और एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

## झारखंड हाईकोर्ट के नये मुख्य न्यायधीश एमएस रामचंद्र राव ने ली शपथ, सीएम हेमंत सोरेन सहित कई लोग रहे मौजूद

### राज्यपाल ने दिलायी पद व गोपनीयता की शपथ

मेट्रो रेज

**रांचीः** झारखंड के नये चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पद की शपथ ली। राजभवन स्थित बिरसा मंडप में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष , काउंसिल के अध्यक्ष सदस्य एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता और महाधिवक्ता कार्यालय के सभी अधिवक्ता समेत हाईकोर्ट के कई

अधिवक्ता मौजूद रहे।

**इससे पहले हिमाचल प्रदेश हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस थे राव :** बता दें कि जस्टिस एम एस राम चंद्र राव इससे पहले हिमाचल प्रदेश हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस थे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 11 जुलाई को उनके ट्रांसफर की सिफारिश की थी। जस्टिस राव का जन्म सात अगस्त 1966 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से बीएससी गणित (ऑनर्स) की पढ़ाई की। इसके बाद वर्ष 1989 में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद से एलएलबी पास किया। जस्टिस राव को एलएलबी के अंतिम वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित हुए। वर्ष 1991 में कैंब्रिज विश्वविद्यालय यूके से एलएलएम की डिग्री प्राप्त की। जस्टिस राव को 29 जून 2012 को आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद स्थायी न्यायाधीश बने। इन्होने तेलंगाना हाइकोर्ट, पंजाब व हरियाणा हाइकोर्ट में भी अपनी सेवा दी है। पदोन्नति मिलने के बाद 30 मई 2023 को जस्टिस राव को हिमाचल प्रदेश हाइकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। जस्टिस राव के पिता जस्टिस एम जगन्नाथ राव भारत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारत के विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष थे। जस्टिस राव के दादा एमएस रामचंद्र राव भी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

## अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप को दी हत्या की गंभीर चेतावनी

**नई दिल्ली :** अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान से उनकी जान को होने वाले वास्तविक और विशिष्ट खतरे के बारे में सूचित किया है, जिसका उद्देश्य देश में अराजकता फैलाना है। ट्रंप की चुनावी अभियान के संचार निदेशक स्टीवन च्यांग ने मंगलवार रात कहा था कि आज सुबह राष्ट्रपति ट्रंप को राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय की ओर से ईरान से उन्हें हत्या के प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। खुफिया अधिकारियों ने इन लगातार और समन्वित हमलों की पहचान की है, जो पिछले कुछ महीनों में बढ़े हैं। सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियां डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नवंबर के चुनावों में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से बचने के लिए काम कर रही हैं। ट्रंप पर पहला असफल हत्या का प्रयास 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान हुआ था, जब एक गोली उनके कान के पास से गुजरी थी। दूसरा प्रयास 15 सितंबर को फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में हुआ।

## बदलापुर एनकाउंटर पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने उठाए सवाल,कहा-

# पहली नजर में गड़बड़ी दिख रही

**मुबंईः** बॉम्बे हाई कोर्ट ने बदलापुर यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे की हिरासत में मौत के मामले में महाराष्ट्र पुलिस की खिंचाई की और कहा कि इसमें गड़बड़ी प्रतीत होती है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने घटना के निष्पक्ष जांच की बात कही है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि यदि उसे पता चलता है कि जांच ठीक से नहीं की जा रही है तो वह उचित आदेश पारित करने के लिए बाध्य होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी की मौत की जांच निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अक्षय शिंदे के एनकाउंटर को टाला जा सकता था। कोर्ट ने पूछा कि पुलिस ने पहले उसे काबू करने की कोशिश क्यों नहीं की। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सवाल किया कि आरोपी को सीधे सिर में गोली क्यों मारी गई, पहले पैर या हाथ में क्यों नहीं? जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा जिस क्षण उसने पहला ट्रिगर दबाया, दूसरे लोग उसे आसानी से पकड़ सकते थे। वह कोई बहुत बड़ा या मजबूत आदमी नहीं था। इसे स्वीकार करना बहुत मुश्किल है। इसे मुठभेड़ नहीं कहा जा सकता। अक्षय शिंदे के पिता अन्ना शिंदे ने मंगलवार को वकील अमित कटरनवरे के माध्यम से बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया कि उनके बेटे की हत्या फर्जी मुठभेड़ में की गई है और मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) की मांग की है। ई कोर्ट ने सरकारी वकील से कहा कि शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्ति रिवॉल्वर को जल्दी से अनलॉक नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि यह बहुत आसान नहीं है।

# भारत के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

### कर्नाटक हाईकोर्ट के जज को नसीहत दे सुप्रीम कोर्ट ने कार्यवाही की बंद

**नई दिल्लीः** उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की संविधान पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कहने के मामले में स्वतः संज्ञान सुनवाई करते हुए सख्त लहजे में यह टिप्पणी की।

संविधान पीठ ने हालांकि न्यायमूर्ति श्रीशानंद के इस मामले में खुली में माफी मांगने के मद्देनजर उनके खिलाफ शुरू की गई स्वतः संज्ञान कार्यवाही बंद कर दी। संविधान पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने अपने दो अलग-अलग कार्यवाहियों के दौरान बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान बताने और एक महिला अधिवक्ता के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी करने के लिए माफी मांग ली है। इसी के मद्देनजर उनके खिलाफ स्वतः संज्ञान कार्रवाई बंद करने का यह फैसला किया गया। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए अधिवक्ताओं, न्यायाधीशों और वादियों से कहा कि वे अदालत में पेश होने के दौरान किसी भी परिस्थिति में ऐसे आचरण करने में शामिल न हों। उन्हें यह समझना चाहिए कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण अदालत के अलावा आम दर्शकों तक भी पहुंच है। पीठ ने कहा, न्यायाधीशों के रूप में हमारे जीवन के अनुभवों पर आधारित प्रवृत्तियाँ होती हैं। साथ ही, एक न्यायाधीश को अपनी स्वयं की प्रवृत्तियों के बारे में भी जागरूक होना चाहिए। ऐसी जागरूकता के आधार पर ही हम निष्पक्षता प्रदान करने के अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान हो सकते हैं। आकस्मिक अवलोकन पक्षपात की एक हद तक संकेत दे सकते हैं, खासकर जब वे किसी लिंग या समुदाय के विरुद्ध निर्देशित हों। न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने कथित तौर पर बेंगलुरु

में एक मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान कहा था। न्यायाधीश श्रीशानंद को एक अलग मामले में एक महिला अधिवक्ता के खिलाफ लैंगिक असंवेदनशील टिप्पणी करते हुए भी एक वीडियो में देखा गया। सोशल मीडिया एक्स पर कई लोगों ने अपने अकाउंट अपने पोस्ट में उनकी टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने 20 सितंबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान कार्यवाही शुरू की और संबंधित उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी थी। न्यायाधीश श्रीशानंद द्वारा की गई टिप्पणियों पर रजिस्ट्रार जनरल की 23 सितंबर की रिपोर्ट को देखते हुए शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने कहा कि रिपोर्ट पढ़ने से स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि की गई टिप्पणियाँ जरूरी नहीं थीं और उन्हें टाला जाना चाहिए था। संविधान पीठ ने कहा, न्यायाधीश (श्रीशानंद) द्वारा खुली अपनी अदालत की कार्यवाही में मांगी गई माफी को ध्यान में रखते हुए हम इसे न्याय और संस्था की गरिमा के हित में मानते हैं कि कार्यवाही को आगे जारी न रखा जाए। न्यायालय ने हालांकि कहा कि सोशल मीडिया की व्यापकता और पहुंच में कार्यवाही की व्यापक रिपोर्टिंग शामिल है। अधिकांश उच्च न्यायालयों ने सीधा प्रसारण या वीडियो कांफ्रेंसिंग को अपनाया है। कोविड 19 के दौरान न्याय तक पहुँच प्रदान करने के लिए सीधा प्रसारण और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की आवश्यकता सामने आई थी। पीठ ने कहा, वकीलों, न्यायाधीशों और न्यायालय के सदस्यों को समझना चाहिए कि सीधा प्रसारण की दर्शकों तक महत्वपूर्ण पहुंच है, जो उन पर जिम्मेदारी डालती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित उच्च न्यायालय की कार्यवाही की क्लिपिंग देखी है। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि क्या इसे न्यायिक पक्ष के बजाय चैंबर में उठाया जा सकता है। मैंने कर्नाटक में बार के सदस्यों से बात की है। अगर कोई बड़ा मुद्दा बनता है तो इसके अन्य परिणाम हो सकते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चूंकि न्यायाधीश ने अब माफी मांग ली है, इसलिए मामले को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इस पर पीठ ने कहा, ह्लआप इस देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते। यह मूल रूप से राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता के विरुद्ध है। शीर्ष अदालत ने रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट पर भी गौर किया, जो न्यायाधीश के समक्ष दो कार्यवाहियों से संबंधित है। ये अदालती कार्यवाही छह जून 2024 और फिर 28 अगस्त, 2024 को और कार्यवाही हुई थी।

मेट्रो Rays

# सीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

मेट्रो रेज

**रांचीः** सीसीएल, दरभंगा हाउस, रांची के नये भवन के तीसरे तल पर अवस्थित सभागार में निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (का./राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षगण, महाप्रबंधकगण एवं राजभाषा नोडल अधिकारी सहित सीसीएल के क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि यह राजभाषा की बैठक ही नहीं है, अपितु हमारे कार्य का ही एक महत्वपूर्ण भाग है । उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी विभागों के राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण होनी चाहिए। उन्होंने राजभाषा विभाग से कहा कि जिन विभागों को हिंदी में काम करने में दिक्कत आ रही है उन्हें सहयोग करें। महाप्रबंधक (का./राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया साथ ही राजभाषा विभाग द्वारा किये गये संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे राजभाषा संबंधी गतिविधियों से सबको अवगत कराया। बैठक में मूल रूप से हिंदी में पत्राचार, टिप्पण आलेखन व अन्य कार्यालयीन कार्य व अन्य पर विस्तार से चर्चा हुई।

# रेल यात्रियों के बीच चलाया गया जागरूकता अभियान

**कोडरमाः** प्रभारी निरीक्षक कोडरमा दीपक कुमार के नेतृत्व में बुधवार की सुबह 07.30 बजे से वंदे भारत एक्सप्रेस सुपर स्टोन पेल्टिंग की एवं मोटरसाइकिल डैश की घटना के परिपेक्ष में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा के अधिकारियो एवं जवानों के द्वारा गुरपा स्टेशन के आस पास के गांव के प्रतीक्षारत व ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर वंदे भारत एक्सप्रेस/ अन्य ट्रेनों में स्टोन प्लेटिंग, अनाधिकृत रूप से स्वयं या वाहन को रेलवे ट्रैक पार ना करने, सीआरओ, टीओपीबी, जहरखुरानी बाल एवं मानव तस्करी, पर्याप्त कारण के बगैर एसीपी नहीं करने, मालगाड़ी में एसीओ नहीं करने, ट्रैन के पायदान पर बैठकर यात्रा नहीं करना, रेल संपत्ति की चोरी नहीं करने, मालगाड़ी से कोयला की चोरी नहीं करने, सिंगनल उपकरणों से छेड़छाड़ नहीं करने इत्यादि के बाबत जागरूक किया गया, एवम हिदायत देते हुए उन्हें कानूनी प्रावधानों के बारे में भी अवगत कराया गया। आरपीएफ द्वारा आमजनों से भारत की जीवन रेखा कही जाने वाली रेलवे के सुचारू संचालन में सहयोग की अपील है।

# सीसीएल की अर्पिता महिला मंडल ने मुख्यालय परिसर में किया पौधरोपण

**रांचीः** सीसीएल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अर्पिता महिला मंडल ने पर्यावरण को समर्पित पौधारोपण सीसीएल ऑफिस, दरभंगा हाउस, परिसर में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व का सम्मान करना और माताओं के नाम पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना था। सीसीएल की प्रथम महिला और अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें अर्पिता महिला मंडल की सदस्यों ने कार्यालय परिसर में सक्रिय रूप से पौधरोपण किया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व को उजागर करना है, बल्कि समुदाय को उनके माँ के नाम पर प्रकृति के प्रति सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करना भी है। सीसीएल की ऐसी सार्थक पहलों के प्रति प्रतिबद्धता इसके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति दृढ़ संकल्प को और मजबूत करती है। इस अवसर पर रीता मिश्रा, शशि दुहान, किरण झा, इंदु मिश्रा, रूपा रानी, और अर्पिता महिला मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे। ज्ञात हो की सीसीएल पर्यावरण अनुकूल खनन को प्राथमिकता देते हुए समय समय पर अपने कमांड क्षेत्रों मे पौधरोपण करता है । इसी दिशा मे कंपनी द्वारा 9 इको -पार्क भी विकसित किए जा रहे हैं।

## बहनों को ठगने का काम कर रही है सरकारः अन्नपूर्णा देवी

**रांची/ पलामूः** केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पलामू के छतरपुर में परिवर्तन यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि वादाखिलाफी के खिलाफ परिवर्तन यात्रा चल रही है। यह यात्रा रोटी, माटी, और बेटी को बचाने के लिए है, और हेमंत सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ है। हेमंत सरकार ने मंईयां सम्मान योजना लाकर हमारी बहनों को ठगने का काम किया है। उन्होंने वादा किया था कि सबसे पहले महिलाओं को चूल्हा खर्च देंगे मिला क्या? इस सरकार ने किसी को कुछ नहीं दिया। अब हमारी बहनें आपकी झांसे में नहीं आने वाली हैं। राज्य की सरकार आदिवासियों के हित में नहीं बल्कि परिवार के हित में काम कर रही है।

# झारखंड में चुनाव तैयारियां पूरी, जल्द होगी तिथियों की घोषणाः सीईसी राजीव कुमार

**नई दिल्ली :** चुनाव आयोग ने झारखंड के दो दिन के दौरे पर विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। आयोग ने साफ कहा कि चुनाव बिना किसी पक्षपात और तय दिशा-निदेशों के तहत संपन्न कराए जाएंगे। आयोग के इस दौरे के बाद कभी भी चुनावी तिथियों की घोषणा की जा सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. एसएस संधू के साथ रांची में प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक की। इस दौरान आयोग ने राज्य और जिला प्रशासन को पक्षपातपूर्ण आचरण के प्रति आगाह किया। आयोग ने चुनाव में धन- बल पर अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क होकर काम करने के कड़े निर्देश दिए। बता दें कि झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को समाप्त होने वाला है, राज्य में 81 विधानसभा सीट हैं, जिसमें 44 सामान्य 9 एससी और 28 एसटी सीट हैं। राज्य में कुल 2.59 करोड़ मतदाता राज्य में कुल 2.59 करोड़ मतदाता हैं। इनमें 1.31 करोड़ पुरुष और 1.28 करोड़ महिला हैं। राज्य में 11.5 लाख से अधिक पहली बार मतदान करेंगे। 1.5 लाख मतदाता 85 वर्ष से अधिक आयु के हैं। 3.64 लाख दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं।

## आयुष्मान योजना का लाभ लेने को लेकर परिजनों को जानकारी दिये बिना किया आंख का ऑपरेशन

**सिल्लीः** सिल्ली के निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना में मरीजों का इलाज के नाम पर लूट मचा है, अस्पताल बिल बढ़ाने के चक्कर में मरीजों की सामान्य बीमारी को बेहद गंभीर दिखा रहे हैं। क्षेत्र में कुछ एजेंट टाइप के लोग हैं जो गांव गांव में घूम घूमकर मरीजों को अस्पताल का गाड़ियों में बिठाकर जबरन लाने काम करते है ऐसा ही एक मामला सिल्ली के लोटा गांव से प्रकाशित में आया है। देवी नेत्रालय नामक अस्पताल वाले एक महिला को परिवार के सदस्यों को जानकारी दिए बैगर उठाकर लाया गया और आंख का ऑपरेशन कर दिया गया है,ऑपरेशन के बाद महिला के आंखों में इतनी दर्द है कि वह काफी परेशान है।


## झारखण्ड सरकार,
## गृह,कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग,झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

67वीं औपबंधिक सूची
जिला–हजारीबाग (पार्ट–8)

विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी श्री मो0 महमूद आलम एवं मौलाना मोबीन रिजवी द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री ... के समक्ष आवेदन में दर्ज बयान तथा पहचान के आधार पर।

| क्र0 | आवेदनकर्त्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कण्डिका |
|---|---|---|
| 301. | 1. आवेदन क्र0–2300/24<br>2. आवेदक–बेनी महतो, पिता–स्व0 पुरन महतो<br>3. ग्राम–खरना, पोस्ट–खरना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 302. | 1. आवेदन क्र0–2301/24<br>2. आवेदक–बंधी महतो, पिता–स्व0 चैता महतो<br>3. ग्राम–खरना, पोस्ट–खरना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 303. | 1. आवेदन क्र0–2302/24<br>2. आवेदक–तुलसी महतो, पिता–स्व0 गणेष महतो<br>3. ग्राम–गोविन्दपुर कलां, पोस्ट–गोविन्दपुर कलां, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–71 वर्ष, पहचान चिन्ह–पीठ में लहसन। | कण्डिका–2(ix) |
| 304. | 1. आवेदन क्र0–2303/24<br>2. आवेदक–धनु महतो, पिता–स्व0 तुलसी महतो<br>3. ग्राम–घरगी, पोस्ट–मेलवाश, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–चेहरा पर चेचक दाग। | कण्डिका–2(ix) |
| 305. | 1. आवेदन क्र0–2304/24<br>2. आवेदक–मागो महतो, पिता–स्व0 तुलसी महतो<br>3. ग्राम–घरगी, पोस्ट–मेलवाश, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में लकवा। | कण्डिका–2(ix) |
| 306. | 1. आवेदन क्र0–2305/24<br>2. आवेदक–सुन्दर राम, पिता–काली राम<br>3. ग्राम–मलगा, पोस्ट–मेलवाश, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–तिल का निषान। | कण्डिका–2(ix) |
| 307. | 1. आवेदन क्र0–2306/24<br>2. आवेदक–नन्दलाल राम, पिता–स्व0 मेघु राम<br>3. ग्राम–लमनीजारा, पोस्ट–कोनार डैम, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–73 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां पैर कटा हुआ। | कण्डिका–2(ix) |
| 308. | 1. आवेदन क्र0–2307/24<br>2. आवेदक–जीवाधन महतो, पिता–स्व0 जानकी महतो<br>3. ग्राम–चानो, पोस्ट–उच्चाघाना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 309. | 1. आवेदन क्र0–2308/24<br>2. आवेदक–तीयर राय, पिता–सुकर राय<br>3. ग्राम–चानो, पोस्ट–उच्चाघाना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 310. | 1. आवेदन क्र0–2309/24<br>2. आवेदक–परमेष्वर महतो, पिता–वासदेव महतो<br>3. ग्राम–चानो, पोस्ट–उच्चाघाना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 311. | 1. आवेदन क्र0–2310/24<br>2. आवेदक–नुर मोहम्मद अंसारी, पिता–स्व0 रसुली मियां<br>3. ग्राम–चानो, पोस्ट–उच्चाघाना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 312. | 1. आवेदन क्र0–2311/24<br>2. आवेदक–सुमर चंद महतो, पिता–अयोध्या महतो<br>3. ग्राम–चानो, पोस्ट–उच्चाघाना, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में तिल का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 313. | 1. आवेदन क्र0–2312/24<br>2. आवेदक–मनन राम पासवान, पिता–टेको दुसाध<br>3. ग्राम–अचलजामु, पोस्ट–अचलजामु, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट पर गोदना का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 314. | 1. आवेदन क्र0–2313/24<br>2. आवेदक–कन्हैया महतो, पिता–तेजो महतो<br>3. ग्राम–चंदाडीह, पोस्ट–अचलजामु, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने जांघ में लहसन। | कण्डिका–2(ix) |
| 315. | 1. आवेदन क्र0–2314/24<br>2. आवेदक–रामचन्द्र महतो, पिता–स्व0 तालो महतो<br>3. ग्राम–नागी, पोस्ट–नागी, थाना–विष्णुगढ़, प्रखण्ड–विष्णुगढ़<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान।। | कण्डिका–2(ix) |
| 316. | 1. आवेदन क्र0–2315/24<br>2. आवेदक–मोहम्मद रजाउल्ला अंसारी, पिता–स्व0 मोहम्मद महमूद अंसारी<br>3. ग्राम–चेपाखुर्द, पोस्ट–चेपाकला, थाना–बड़कागांव, प्रखण्ड–बड़कागांव<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना कान के नीचे तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 317. | 1. आवेदन क्र0–2316/24<br>2. आवेदक–दिलिप साव, पिता–राम विलास साव<br>3. ग्राम–दादम बाजार, पोस्ट–दादन बाजार, थाना–सदर, प्रखण्ड–सदर हजारीबाग<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 318. | 1. आवेदन क्र0–2317/24<br>2. आवेदक–मो0 अख्तर, पिता–हनिफ मियां<br>3. ग्राम–पारसा, पोस्ट–पारसा, थाना–चरही, प्रखण्ड–चुरचु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–पैर में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 319. | 1. आवेदन क्र0–1615/24<br>2. आवेदक–मो0 कुतुबुद्दीन अंसारी, पिता–जैनुल अंसारी<br>3. ग्राम–लईयो, पोस्ट–लईयो, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 320. | 1. आवेदन क्र0–1616/24<br>2. आवेदक–शमीम अहमद, पिता–कयुम मियां<br>3. ग्राम–लईयो, पोस्ट–लईयो, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना जांघ में लहसन। | कण्डिका–2(ix) |
| 321. | 1. आवेदन क्र0–1617/24<br>2. आवेदक–उमर अंसारी, पिता–अहसान अंसारी<br>3. ग्राम–लईयो, पोस्ट–लईयो, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 322. | 1. आवेदन क्र0–1618/24<br>2. आवेदक–मो0 सेराज, पिता–दिलशेर साह<br>3. ग्राम–मरवा, पोस्ट–चैनपुर, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 323. | 1. आवेदन क्र0–1619/24<br>2. आवेदक–महावीर महतो, पिता–ठाकुर महतो<br>3. ग्राम–किमो, पोस्ट–पतरपा, थाना–आगो, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 324. | 1. आवेदन क्र0–1620/24<br>2. आवेदक–एनामुल हक, पिता–स्व0 अब्दुल रज्जाक<br>3. ग्राम–माण्डु चट्टी, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में दाहिने तरफ तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 325. | 1. आवेदन क्र0–1621/24<br>2. आवेदक–शाहिद सिद्धीकी, पिता–स्व0 अब्दुल रजाक<br>3. ग्राम–माण्डु चट्टी, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में बायें तरफ तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 326. | 1. आवेदन क्र0–1622/24<br>2. आवेदक–मोख्तार आलम, पिता–स्व0 अब्दुल अजीज<br>3. ग्राम–माण्डु चट्टी, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–68 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में कटा का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 327. | 1. आवेदन क्र0–1623/24<br>2. आवेदक–मो0 आसीफ, पिता–स्व0 अब्दुल लतीफ<br>3. ग्राम–माण्डु, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–75 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 328. | 1. आवेदन क्र0–1624/24<br>2. आवेदक–मो0 गुलाम रब्बानी, पिता–स्व0 मो0 कलीम<br>3. ग्राम–माण्डु, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में दाग का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 329. | 1. आवेदन क्र0–1625/24<br>2. आवेदक–मो0 गुलाम सरवर, पिता–स्व0 मो0 कलीम<br>3. ग्राम–माण्डु, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 330. | 1. आवेदन क्र0–1626/24<br>2. आवेदक–कुकुल गंझू, पिता–महावीर गंझू<br>3. ग्राम–गोविन्दपुर, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना अंगुठा में कटा का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 331. | 1. आवेदन क्र0–1627/24<br>2. आवेदक–प्रेम राम, पिता–अकल राम<br>3. ग्राम–रामनगर माण्डुडीह, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना आंख के बगल में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 332. | 1. आवेदन क्र0–1628/24<br>2. आवेदक–कुकिया सिद्धीकी, पति–शाहिद सिद्धीकी<br>3. ग्राम–माण्डु चट्टी, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–महिला, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–भौं के उपर मासा। | कण्डिका–2(ix) |
| 333. | 1. आवेदन क्र0–1629/24<br>2. आवेदक–फरहा नाज, पति–मो0 इलीयस<br>3. ग्राम–सी0सी0एल0 कॉलोनी, पोस्ट–सारूबेड़ा, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–महिला, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 334. | 1. आवेदन क्र0–1630/24<br>2. आवेदक–हलीमा बेगम, पति–स्व0 नुर मोहम्मद<br>3. ग्राम–कुन्दरूखेड़ा, पोस्ट–सारूबेड़ा, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–महिला, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 335. | 1. आवेदन क्र0–1631/24<br>2. आवेदक–शांति देवी, पति–बासुदेव गंझू<br>3. ग्राम–गोविन्दपुर, पोस्ट–माण्डु, थाना–माण्डु, प्रखण्ड–माण्डु<br>4. लिंग–महिला, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये पैर में कट का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 336. | 1. आवेदन क्र0–949/24<br>2. आवेदक–मो0 एनुल, पिता–मो0 इसलाम<br>3. ग्राम–कुन्दा, पोस्ट–तिरला, सारूबेड़ा, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–महिला, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 337. | 1. आवेदन क्र0–724/24<br>2. आवेदक–प्रेम कुमार, पिता–भोलानाथ प्रसाद<br>3. ग्राम–अटका, पोस्ट–अटका, थाना–बगोदर, प्रखण्ड–बगोदर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–कमर में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 338. | 1. आवेदन क्र0–725/24<br>2. आवेदक–मो0 मुकरम, पिता–स्व0 अब्दुल मजीद<br>3. ग्राम–पश्चिमी सरिया, पोस्ट–सरिया, थाना–सरिया, प्रखण्ड–सरिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 339. | 1. आवेदन क्र0–726/24<br>2. आवेदक–मनुवर अंसारी, पिता–स्व0 अब्दुल मजीद<br>3. ग्राम–कुम्हडाटांड, पोस्ट–नदरामो, थाना–सरिया, प्रखण्ड–सरिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में लहसन। | कण्डिका–2(ix) |
| 340. | 1. आवेदन क्र0–727/24<br>2. आवेदक–रजानी अंसारी, पिता–स्व0 महीउद्दीन मियां<br>3. ग्राम–कुम्हडाटांड, पोस्ट–नदरामो, थाना–सरिया, प्रखण्ड–सरिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 341. | 1. आवेदन क्र0–728/24<br>2. आवेदक–बरकत अली, पिता–स्व0 वली मिया<br>3. ग्राम–फतेहपुर, पोस्ट–परसाबेड़ा, थाना–डुमरी, प्रखण्ड–डुमरी<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 342. | 1. आवेदन क्र0–729/24<br>2. आवेदक–अनवर अहमद, पिता–स्व0 जाहीर आलम<br>3. ग्राम–जामताड़ा बढ़ई टोला, पोस्ट–जामतारा, थाना–डुमरी, प्रखण्ड–डुमरी<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 343. | 1. आवेदन क्र0–730/24<br>2. आवेदक–नुर मोहम्मद अंसारी, पिता–लियाकत अंसारी<br>3. ग्राम–बरगान्डा, पोस्ट–चालनो, थाना–डुमरी, प्रखण्ड–डुमरी<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 344. | 1. आवेदन क्र0–731/24<br>2. आवेदक–लियाकत अंसारी, पिता–स्व0 रसुल मियां<br>3. ग्राम–बरगान्डा, पोस्ट–चालनो, थाना–डुमरी, प्रखण्ड–डुमरी<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 345. | 1. आवेदन क्र0–732/24<br>2. आवेदक–राज कुमार पाण्डेय, पिता–महावीर दत्त शर्मा<br>3. ग्राम–जी0टी0 नार्थ टाटरी कुलगो, पोस्ट–कुलगो, थाना–डुमरी, प्रखण्ड–डुमरी<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 346. | 1. आवेदन क्र0–733/24<br>2. आवेदक–मो0 वासीम अहमद, पिता–स्व0 मो0 फारूक<br>3. ग्राम–मोकामो, पोस्ट–कोयरीडीह, थाना–सरिया, प्रखण्ड–सरिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 347. | 1. आवेदन क्र0–734/24<br>2. आवेदक–मो0 शमीम अहमद, पिता–स्व0 मो0 फारूक<br>3. ग्राम–मोकामो, पोस्ट–कोयरीडीह, थाना–सरिया, प्रखण्ड–सरिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथे पर कटे का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 348. | 1. आवेदन क्र0–735/24<br>2. आवेदक–जियाउल रिजवी, पिता–इदरीश अंसारी<br>3. ग्राम–मोकामो रिजवी मोहल्ला, पोस्ट–कोयरीडीह, थाना–सरिया, प्रखण्ड–सरिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने कंधे पर तिल का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 349. | 1. आवेदन क्र0–736/24<br>2. आवेदक–मंजु देवी, पति–स्व0 चोलाराम महतो<br>3. ग्राम–मंगलु आहर, पोस्ट–तेलखारा, थाना–डुमरी, प्रखण्ड–डुमरी<br>4. लिंग–महिला, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 350. | 1. आवेदन क्र0–950/24<br>2. आवेदक–अनुप महतो, पिता–स्व0 विपुन महतो<br>3. ग्राम–तिरहोविया, हुरलुंग, पोस्ट–हुरलुंग, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 351. | 1. आवेदन क्र0–951/24<br>2. आवेदक–सोना महतो, पिता–स्व0 प्राण महतो<br>3. ग्राम–हुरलुंग, पोस्ट–हुरलुंग, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–74 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 352. | 1. आवेदन क्र0–952/24<br>2. आवेदक–दुकन महतो, पिता–प्रयाग महतो<br>3. ग्राम–जरकुण्डा, पोस्ट–कोनार डैम, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 353. | 1. आवेदन क्र0–953/24<br>2. आवेदक–जगदीष ठाकुर, पिता–माधो हजाम<br>3. ग्राम–दिगरी, पोस्ट–कोनार डैम, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 354. | 1. आवेदन क्र0–954/24<br>2. आवेदक–धनु ठाकुर, पिता–स्व0 माधो हजाम<br>3. ग्राम–दिगरी, पोस्ट–कोनार डैम, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट पर मासा। | कण्डिका–2(ix) |
| 355. | 1. आवेदन क्र0–955/24<br>2. आवेदक–मो0 अख्तर अंसारी, पिता–स्व0 खोदा बक्स<br>3. ग्राम–खेतको, पोस्ट–खेतको, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 356. | 1. आवेदन क्र0–956/24<br>2. आवेदक–मो0 शहादत हुसैन, पिता–स्व0 सरफुद्दीन अंसारी<br>3. ग्राम–खेतको, पोस्ट–खेतको, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 357. | 1. आवेदन क्र0–957/24<br>2. आवेदक–मो0 मुख्तार अंसारी, पिता–स्व0 सरफुद्दीन अंसारी<br>3. ग्राम–खेतको, पोस्ट–खेतको, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट में कट का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 358. | 1. आवेदन क्र0–958/24<br>2. आवेदक–मनोवर अंसारी, पिता–इस्माईल अंसारी<br>3. ग्राम–खेतको, पोस्ट–खेतको, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कण्डिका–2(ix) |
| 359. | 1. आवेदन क्र0–959/24<br>2. आवेदक–मो0 याकुब, पिता–स्व0 हनीफ<br>3. ग्राम–दरगाह मुहल्ला, खेतको, पोस्ट–खेतको, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया जांघ में तिल। | कण्डिका–2(ix) |
| 360. | 1. आवेदन क्र0–960/24<br>2. आवेदक–कलीमुद्दीन अंसारी, पिता–स्व0 छोटु मियां<br>3. ग्राम–नई बस्ती बोकारो थर्मल, पोस्ट–बोकारो थर्मल, थाना–बोकारो थर्मल, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट पर कट का निशान। | कण्डिका–2(ix) |
| 361. | 1. आवेदन क्र0–961/24<br>2. आवेदक–मो0 जानी, पिता–स्व0 मो0 यासीन<br>3. ग्राम–कथारा, पोस्ट–कथारा, थाना–बोकारो थर्मल, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें गाल में तिल। | कण्डिका–2(ix) |

नोट :– 1. यह सूची पूर्णतः औपबंधिक है।
2. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
3. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य — (नरसिंह मुर्मू) सदस्य — (दुर्गा उरांव) अध्यक्ष

PR 336672 Home(24-25).D

## न्यूज ब्रीफ

### सिपाही-हवलदार की एएसआई रैंक में प्रोन्नति को लेकर बोर्ड की बैठक आज

**रांची :** सिपाही और हवलदार को एएसआई रैंक में प्रोन्नति मिलेगी। इसको लेकर एडीजी मुख्यालय आरके मलिक की अध्यक्षता में आज बोर्ड की बैठक होगी। इसमें झारखंड सीआईडी आईजी असीम विक्रांत मिंज और जैप डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल भी शामिल होंगे। बता दें कि पुलिस मुख्यालय ने एएसआई रैंक में प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों का सर्विस बुक तैयार रखने का निर्देश दिया था। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर कहा था कि सितंबर-2021 से पूर्व का प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्यवाही के लिए विचारधीन मामले, कोई गंभीर प्रकृति का आरोप, न्यायिक मामला और आपराधिक मामले को छोड़कर अन्य सामान्य आरोप हो, जिसका निराकरण अबतक नहीं किया गया है, तो वैसे मामलों में संबंधित्त एसपी व डीआईजी मामले का पुर्नसमीक्षा करेंगे और पांच दिनों के अंदर निष्पादन कर लिये गये निर्णय की वस्तुस्थिति से पुलिस मुख्यालय को अवगत करायेंगे।

### शिक्षा से ही विकास और सशक्तीकरण संभवः राज्यपाल

**रांचीः** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता का भी विकास करना है शिक्षा से ही विकास और सशक्तीकरण संभव है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि नैतिकता, सहानुभूति और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। शिक्षा और ज्ञान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सार्थक कार्य होंगे। राज्यपाल मंगलवार को सिदो कान्हू मुर्मु विश्वविद्यालय, दुमका के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र में स्थापित सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय से हमारी काफी अपेक्षाएं हैं। यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि हमारे जनजातीय समाज की संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का प्रतीक है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि अपने अध्ययन और शोध से उन चुनौतियों का समाधान ढूंढेंगे, जिनका सामना जनजाति समाज और ग्रामीण समुदाय कर रहे हैं। चाहे वह कृषि हो, पर्यावरण संरक्षण हो, स्वास्थ्य या शिक्षा, हर क्षेत्र में आपके प्रयासों की आवश्यकता है। जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र और भी व्यापक हो जाता है। आपकी मेहनत और समर्पण से न केवल आपके लिए, बल्कि आपके समाज और राज्य के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे।

### पूर्व सीएम चंपाई ने अपने कारकेट के सभी वाहन किये वापस

**रांचीः** पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने अपने कारकेट में शामिल सभी वाहनों को वापस कर दिया है। जानकारी के अनुसार, सरकार ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन से तीन गाड़ियां मांगी थी। इस पर चंपाई सोरेन ने नाराजगी जताते हुए कारकेट की सभी गाड़ियां वापस कर दी। बताते चलें कि चंपाई सोरेन को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। चंपाई सोरेन ने कहा कि मेरे साथ सरकार इतना उत्पीड़न कर रही है तो राज्य की जनता के साथ सरकार का व्यवहार कैसा होगा, आप समझ सकते हैं।

### सांसद सरफराज अहमद बने झारखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष

**रांची :** राज्यसभा सांसद डॉ सरफराज अहमद झारखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष चुने गये हैं। अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में सरफराज अहमद ने एक वोट से अपने निकटम प्रतिद्वंदी अबरार अहमद को शिकस्त दी। सरफराज को कुल पांच वोट मिले। जबकि अबरार को चार वोट मिले। बताते चलें कि डॉ सरफराज अहमद वर्ष 2019 में झामुमो के टिकट पर गांडेय सीट से विधायक निर्वाचित हुए थे। बाद में उन्होंने इस सीट को छोड़ दिया। इसके बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसमें कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की। डॉ सरफराज वर्ष 1980 और 2009 में भी कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

# आजसू व जदयू के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी बीजेपीः हिमंता बिश्वा सरमा

## सरकार बनी तो मंईयां योजना के जवाब में बीजेपी लाएगी गोगो दीदी योजना

**मेट्रो रेज**

**रांची :** झारखंड में आजसू व जदयू के साथ मिल कर भाजपा एनडीए गठबंधन में चुनाव लड़ेगी। आजसू व जदयू के साथ बात हो चुकी है। अक्तूबर के पहले सप्ताह में हम चुनाव लड़ने को तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में चुनाव एक चरण में हो या फिर दो चरण में। पार्टी दोनों स्थिति में चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। यह बातें भाजपा के चुनाव सह प्रभारी व असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिश्वा सरमा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही।

**भाजपा लाएगी गोगो दीदी योजना :** हिमंता बिश्वा सरमा ने कहा कि हेमंत सरकार की मंईयां सम्मान योजना के जवाब में भाजपा गोगो दीदी योजना लायेगी। यह भाजपा के घोषणा पत्र का सबसे अहम मुद्दा होगा। भाजपा की सरकार बनने पर पहले माह से ही यह योजना चालू हो जायेगी। यह मंईयां सम्मान योजना से कहीं बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि मोदी की गांरटी के साथ पहले चरण में गोगो दीदी समेत पांच नयी योजना लायेगी। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी मिल गयी है। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा तीन चरणों में घोषणा पत्र जारी करेगी।

पहले चरण में होगीं पांच बुलेट घोषणाः पहले चरण में पांच बुलेट घोषणा होगीं। इसके बाद झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने पर 25 नयी योजनाएं घोषणा पत्र के माध्यम से लायी जायेगी। अंतिम चरण में पार्टी भगवा बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती को लेकर 150 बिंदुओं पर घोषणा करेगी। वंदना डाडेल को चुनाव आयोग से मुक्त रखने के सवाल पर श्री सरमा ने कहा झारखंड के कई ब्यूरोक्रेट्स राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह काम करते हैं। पार्टी ने अपनी बात मुख्य चुनाव आयुक्त के समक्ष रखी है। इस पर आयोग को निर्णय लेना है।

**दो अक्तूबर को झारखंड आ सकते हैं प्रधानमंत्रीः** हिमंता विश्वा सरमा ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का समापन दो अक्तूबर को होना है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की संभावना है। हालांकि अभी तक कार्यक्रम की रूपरेखा पूरी तरह से तैयार नहीं हुई है। संभावना है कि दो अक्तूबर को गांधी जयंती के दिन प्रधानमंत्री झारखंड में रहेंगे।

### आज और कल राजधानी सहित कई जिलों में बारिश के आसार

**रांचीः** बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर झारखंड में भी दिखने लगा है। मंगलवार को संताल और कोल्हान में इसका अच्छा असर रहा। कई स्थानों पर अच्छी बारिश हुई। सबसे अधिक करीब 72 मिमी बारिश बहरागोड़ा में हुई। वहीं, गोड्डा में 50 मिमी व हजारीबाग में 44 मिमी के आसपास बारिश हुई। मौसम केंद्र ने पूवार्नुमान किया है कि बुधवार और गुरुवार को राजधानी सहित कई जिलों में बारिश हो सकती है। वज्रपात की भी संभावना है। बुधवार को सिमडेगा, गुमला, लातेहार, लोहरदगा, पलामू और गढ़वा छोड़ सभी जिलों में बारिश होने का अनुमान है। गुरुवार को बोकारो, रामगढ़, रांची, प सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा में कई स्थानों पर बारिश हो सकती है। इसके बाद 30 सितंबर तक लोगों को बारिश से राहत मिल सकती है। बारिश होने पर राजधानी समेत अन्य जिलों का अधिकतम तापमान भी गिर सकता है।

# ट्रांसपोर्ट नगर अक्तूबर के पहले सप्ताह तक पूरा करने का निर्देश

## नगर विकास सचिव ने किया ट्रांसपोर्ट नगर का निरीक्षण

**रांचीः** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांके के दुबलिया में निर्माणाधीन ट्रांसपोर्ट नगर को अक्तूबर के पहले सप्ताह में पूरा करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने ट्रांसपोर्ट नगर का साइट निरीक्षण किया। जुडको के अधिकारियों व काम कर रही एजेंसी केएमवी को नवरात्र के पहले सप्ताह में ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। सचिव ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर के रखरखाव, संचालन की नीति व प्रक्रिया साथ-साथ तैयार कर ली जाये, ताकि उदघाटन के तुरंत बाद वहां भारी, मध्यम व छोटे ट्रकों का पड़ाव लगना शुरू हो जाये।

वाहनों की पार्किंग के लिए प्लेटफॉर्म बन चुका हैः सचिव को बताया गया कि ट्रांसपोर्ट नगर में एकीकृत भवन व दो वेयर हाउस का निर्माण पूरा हो गया है। तीन तलों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए तीन लेवल का प्लेटफॉर्म बन चुका है। वहां पत्थर के इको फ्रेंडली गेवियन वाल का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें कहीं भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है। बाहर से आने वाले वाहनों के माल को रखने के लिए दो लेबल का वेयर हाउस तैयार कर लिया गया है। इसमें लेबल एक 6176 वर्ग मीटर व लेबल दो 3900 वर्ग मीटर का है। ट्रांसपोर्ट नगर में जी प्लस 3 एकीकृत भवन में 16 ऑफिस भी बनाये गये हैं। वहां ड्राइवर व खलासी के आराम करने के लिए 180 बेड की डोरमेट्री और 150 लोगों के बैठने के लिए फूड कोर्ट भी होगा। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ केंद्र, दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई-फाई, लैंड स्केपिंग व मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध कराया जायेगा।

112 करोड़ की लागत से हो रहा है निर्माणः कांके प्रखंड के सुकरहुटू रिंग रोड के पास दुबलिया में 112 करोड़ रुपये की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण किया जा रहा है। यहां प्रथम फेज में बड़े-छोटे कुल 424 वाहनों को खड़ा करने का प्रावधान किया गया है। निमार्णाधीन लेबल एक प्लेटफार्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लंबा), 11 लार्ज टेलर (18 मीटर लंबे) और 27 स्मॉल (16 मीटर लंबे) वाहनों को खड़ा करने का प्रावधान है। लेबल दो प्लेटफार्म पर 179 लार्ज और 50 स्मॉल वाहन खड़े किये जायेंगे। वहीं, लेबल तीन के प्लेटफार्म पर 64 स्मॉल वाहन खड़े किये जा सकेंगे। बाहर से आने वाले वाहन के चालक वेयर हाउस में माल उतार कर मुक्त हो जायेंगे। वहां से ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों के माध्यम से माल जगह तक पहुंचायेंगे। इससे शहर में बड़े वाहनों को इंट्री की जरूरत नहीं पड़ेगी। लोगों को ट्रैफिक जाम और धुंआ-धक्कड़ से मुक्ति मिलेगी।

# सिपाही भर्ती की दौड़ युवकों के लिए बन रही मौत का रास्ता? अब तक 16 अभ्यर्थियों की गयी जान

**मेट्रो रेज**

**रांचीः** झारखंड राज्य कर्मचारी आयोग की ओर से राज्य में आबकारी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा युवकों के लिए अच्छी खबर की बजाय बुरी बनती जा रही है। इस परीक्षा के लिए होने वाला शारीरिक परीक्षण (फिजिकल टेस्ट) कई युवकों की जान ले चुका है। दरअसल, रामगढ़ जिले के सांकी गांव के 30 वर्षीय आदिवासी युवक अन्नू बेदिया की साहिबगंज जिले में आबकारी कांस्टेबलों के लिए भर्ती परीक्षा के दौरान 10 किलोमीटर की दौड़ में भाग लेने के दौरान गिरने से मौत हो गई। इसी के साथ शारीरिक टेस्ट की वजह से जान गवाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 16 हो गई है।

**एक रिपोर्ट तैयार कर लाई जाएगी सच्चाई सामनेः डीआईजी :** डीआईजी (कार्मिक) नौशाद आलम ने कहा, 'हमने साहिबगंज एसपी को मामले की जांच के लिए एक टीम बनाने के लिए कहा है। सभी मौतों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी मांगी है। उनमें से कुछ रिपोर्ट पहुंच आ चुकी हैं। एक एकीकृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।'

बेदिया 12 सितंबर को हुए थे बेहोशः पुलिस ने कहा कि बेदिया 12 सितंबर को दौड़ने के दौरान बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत साहिबगंज के एक अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें पश्चिम बंगाल के मालदा के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मालदा पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।' साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित सिंह ने कहा कि उनकी टीम जांच में मालदा पुलिस के साथ सहयोग करेगी।

**परिवार का यह दावा :** बेदिया के बड़े भाई संदीप का कहना है कि डॉक्टरों ने परिवार को जानकारी दी कि शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाने की वजह से उनकी मौत हुई। परिवार ने दावा किया कि शव को गांव ले जाने में करीब18,000 रुपये खर्च हुए।

## 46,031 सहियाओं को मिलेगी प्रोत्साहन राशि, 108.34 करोड़ स्वीकृत

**रांची :** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सहिया साथी, प्रखंड प्रशिक्षक दल (बीटीटी) और राज्य प्रशिक्षक दल (एसटीटी) को अब बढ़ी हुई प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने 108.34 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। इसका लाभ 46,031 सहिया, बीटीटी और एसटीटी को मिलेगा। राज्य सरकार सहिया की प्रोत्साहन राशि पर 103.11 करोड़ रुपये खर्च करेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ग्रामीण इलाकों में सहिया की संख्या 39,964 है, जबकि शहरी इलाकों में इनकी संख्या 3,000 है। इन्हें प्रतिमाह दो हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। सहिया साथी की प्रोत्साहन राशि पर राज्य सरकार 3 148 करोड़ रुपये खर्च करेगी। ग्रामीण क्षेत्र में सहिया साथी की संख्या 2295 है, जबकि शहरी इलाके में इनकी संख्या 125 है। इन्हें 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। इसी तरह बीटीटी को 80 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। राज्य में इनकी कुल संख्या 699 है। इनके प्रोत्साहन राशि पर राज्य सरकार 1 161 करोड़ रुपये खर्च करेगी। वहीं एसटीटी की प्रोत्साहन राशि पर 13.82 लाख रुपये खर्च किये जायेंगे। राज्य में इनकी संख्या 48 है। इन्हें 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

शुद्धि पत्र

पी.आर.सं0–336163 (Minor Irrigation)24-25(D) के द्वारा प्रकाशित इस कार्यालय के ई. निविदा आमंत्रण सूचना सं0–MID/GUMLA/F$_2$-30/2024-25 DT-19.09.2024 में निम्न प्रकार तिथि संशोधित किया जाता है:–

| | |
|---|---|
| Date of Publication of E-Tender on website | 23.09.2024 at 2:00 PM |
| Last date/Time for submission of E-Tender BID's | 28.09.2024 up to 5:00 PM |
| Last Date for Submission of Tender fee and EMD | e-Procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 28.09.2024 up to 5:00 PM |
| Date of Opening Tender | 30.09.2024 at 2:00 PM |

निविदा सूचना की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

PR 336955 Minor Irrigation(24-25).D

कार्यालयः–असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, खूँटी

सूचना सं0 – 2325 दिनांक – 23.09.2024

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सदर अस्पताल, खूँटी एवं सर्जेसी के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों/कार्यालयों के लिए बेडिंग क्लोथिंग, स्टेशनरी, विद्युत समाग्री एवं विविध समाग्री के आपूर्ति हेतु मूल्य निर्धारण/क्रय हेतु निबंधित निर्माताओं या उनके अधिकृत आपूर्तिकर्त्ता/एजेंसी/प्रतिष्ठानों जिनकी आर्थिक स्थिति सक्षम हो से निबंधित डाक/स्पीट पोस्ट से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.निविदा प्राप्ति करने का स्थान एवं पता :– सिविल सर्जन कार्यालय,खूँटी।
2.निविदा प्राप्ति करने की अंतिम तिथि :– दिनांक–04.10.2024 को संध्या 05:00 बजे तक।
3.निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–05.10.2024 को अपराह्न 01:00 बजे।
4.निविदा खोलने का स्थान :– अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।

निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त निविदा स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा के सभी ब्यौरे तथा शर्तों सहित निविदा विवरणी सिविल सर्जन कार्यालय, खूँटी के सूचना पट्ट एवं खूँटी जिले के अधिकृत वेबसाईट http://Khunti.nic.in पर देखा जा सकता है।

असैनिक शल्य चिकित्सक –सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, खूँटी

PR 336826 (Health Med Edu and Family Welfare)24-25*D

कार्यालय नगरपंचायत, डोमचाँच (कोडरमा)

चतुर्थ अति अल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–01/2023–24 दिनांक–20.09.2024

| क्र0सं0 | वार्ड सं0 | कार्य का नाम | निविदा की राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 09 | Const. of rcc drain with cover slab from manjulasharma school to Tarkeshwaryadav shop. | 1364710.00 | 27500.00 | 5000.00 | 03 Months |
| 2 | 10 | Const. of RCC drain with cover slab from lakhanlohar house to bindupaandukan. | 1719620.00 | 34500.00 | 5000.00 | 03 Months |
| 3 | 07 | Const. of RCC drain with cover slab bhagawat Mehta house to rinkusinghboundry | 1649985.00 | 33000.00 | 5000.00 | 03 Months |
| 4 | 05 | Const. of PCC road from mahendrakumar Mehta house to kaalimandap. | 1425360.00 | 29000.00 | 5000.00 | 03 Months |
| A | Date of Publication of Tender on website. | | | | 25-09-2024 | |
| B | Last Date/Time for receipt bid on online | | | | 09-10-2024 | |
| C | Date of Opening Tender | | | | 12-10-2024 | |
| D | Name & Address of office inviting tender | | | | Executive Officer Nagar Panchayat Domchanch | |
| E | Helpline No. | | | | 9939465016 | |

प्रशासक
नगर पंचायत, डोमचाँच।

PR 336767 (Urban Development) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग(पशुपालन प्रभाग)
राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) से संबंधित जानकारी)
कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, हजारीबाग

राष्ट्रीय पशुधन मिशन का उद्देश्य छोटे जुगाली करने वाले पशुओं, मुर्गी पालन और सूअर पालन क्षेत्र तथा चारा क्षेत्र में उद्यमिता विकास के माध्यम से रोजगार सृजन, नस्ल सुधार के माध्यम से प्रति पशु उत्पादकता में वृद्धि माँस, अण्डा बकरी का दूध, ऊन और चारे के उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्यों को प्राप्त करना है। इस योजना में कोई भी व्यक्ति स्वयं सहायता समूह (SHGs)कृषक उत्पादन संघ (EPOs) द्वारा सहकारिता संगठन (FCOs), Joint liability Groups (JLGs) तथा धारा 8 के अंतर्गत पंजीकृत कंपनियाँ आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) पशुधन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के लिए 50% पूंजी सब्सिडी प्रदान करता है।

- ग्रामीण पॉल्ट्री में नस्ल सुधार फर्म: रू0 तक 25 लाख
- भेड़ और बकरी प्रजनन फर्म: रू0 तक 50 लाख
- सूअर प्रजनन फर्म: रू0 तक 30 लाख
- चारा सवर्धन ईकाईयाँ: रू0 तक 50 लाख
- चारा भण्डारण ईकाईयाँ: रू0 तक 50 लाख

इस योजना में सिर्फ ऑनलाइन आवेदन ही किया जाता है।

पोर्टल से संबंधित प्रश्नों के लिए NLM Portal हेल्प डेस्क से www.dahd.nic.in अथवा nlm.support@sidbi.in पर संपर्क किया जा सकता है। विशेष जानकारी के लिए अपने निकटतम प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी अथवा जिला पशुपालन पदाधिकारी से संपर्क करें,आप https://nlm.udyamimitra.in पर अपने आवेदन अपलोड कर सकते हैं।

निवेदक :–
जिला पशुपालन पदाधिकारी,हजारीबाग

PR 336922 Animal Husbandry(24-25).D

## सुविचार

**जीवन में सारा खेल बस विचारों का है...
विचार अच्छे रखिए सब अच्छा होगा...**

## तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

**लाखों-करोड़ों** हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निमार्ताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुमार्ना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कत्तई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन- प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है। मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्रसम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

# 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कराने से क्या बदलाव आएगा?

**एक साथ चुनाव होने से नीति निरंतरता सुनिश्चित होगी क्योंकि एक ही सरकार एक निश्चित अवधि के लिए सभी स्तरों पर सत्ता में रहेगी। इससे दीर्घकालिक योजना और सुसंगत नीति कार्यान्वयन में सुविधा होगी। अलग-अलग समय पर कई चुनाव कराने से प्रशासनिक मशीनरी पर दबाव पड़ता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनाव आयोगों पर बोझ कम होगा।**

**-डॉ. सत्यवान सौरभ**

एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में प्रस्तावित चुनावी सुधार है जो देश में सभी चुनावों को एक साथ कराने की वकालत करता है, चाहे वह संसदीय, राज्य विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनाव हों, हर पाँच साल में एक बार एक साथ कराए जाने चाहिए। इस अवधारणा का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, चुनाव से संबंधित खर्चों को कम करना, बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले व्यवधान को कम करना और अभियान से हटकर नीति कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करके शासन को बेहतर बनाना है। समर्थकों का तर्क है कि इससे मतदाताओं की भागीदारी भी बढ़ेगी और चुनावों का निरंतर चक्र समाप्त होगा। हालाँकि, कार्यान्वयन के लिए व्यापक संवैधानिक संशोधनों और राजनीतिक दलों और हितधारकों के बीच आम सहमति की आवश्यकता होती है।

एक राष्ट्र एक चुनाव के पीछे का विचार भारत में लोकसभा (संसद का निचला सदन) और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ समयबद्ध करना है। फिलहाल, भारत में हर पाँच साल में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव होते हैं। सरकार पर लागत का बोझ बढ़ाने के लिए, कुछ राज्य अपनी राज्य विधानसभाओं के लिए अलग-अलग चुनाव भी कराते हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के तहत सभी चुनाव एक साथ आयोजित करके, चुनावों की संख्या और उनके साथ होने वाले खर्चों को कम करके चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाने की उम्मीद है। इस समन्वय के कारण मतदाता एक साथ कई चुनावों में भाग ले सकते हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी और संभवतः मतदान में वृद्धि होगी। प्रशासन को चुनाव समय-सारिणी में सामंजस्य स्थापित करके शासन की प्रभावशीलता में सुधार करने की उम्मीद है।

भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन के कई संभावित लाभ हैं, विभिन्न स्तरों पर चुनावों को एक साथ कराने से चुनाव संबंधी व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिसमें सुरक्षा, रसद और प्रचार की लागत शामिल है। बार-बार चुनाव होने से अक्सर शासन में व्यवधान पैदा होता है क्योंकि नीति कार्यान्वयन के बजाय चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित हो जाता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से शासन को स्थिर करने की लंबी अवधि मिलेगी, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधि नीतियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। बार-बार चुनाव होने से कभी-कभी मतदाता थक जाते हैं और मतदान में कमी आती है। एक साथ चुनाव होने से मतदाताओं को हर पाँच साल में केवल एक बार ही वोट डालना होगा, जिससे संभावित रूप से मतदाताओं की भागीदारी बढ़ेगी और वे अधिक सूचित निर्णय ले सकेंगे।

एक साथ चुनाव होने से नीति निरंतरता सुनिश्चित होगी क्योंकि एक ही सरकार एक निश्चित अवधि के लिए सभी स्तरों पर सत्ता में रहेगी। इससे दीर्घकालिक योजना और सुसंगत नीति कार्यान्वयन में सुविधा होगी। अलग-अलग समय पर कई चुनाव कराने से प्रशासनिक मशीनरी पर दबाव पड़ता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनाव आयोगों पर बोझ कम होगा। समन्वित चुनावों से संभावित रूप से अधिक राजनीतिक स्थिरता आ सकती है, क्योंकि इससे बार-बार होने वाले मध्यावधि चुनावों, गठबंधन सरकारों और इससे जुड़ी अस्थिरता की संभावना कम हो जाएगी।

भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन में कई संभावित कमियाँ हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में विभिन्न राज्यों की अद्वितीय राजनीतिक गतिशीलता और क्षेत्रीय हितों को कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह एक समान चुनाव चक्र को बढ़ावा देता है। यह अलग-अलग राज्यों के विविध मुद्दों और आकांक्षाओं को नजरअंदाज कर सकता है, जिससे उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की उपेक्षा हो सकती है। समकालिक चुनावों के साथ, एक जोखिम है कि राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चिंताओं पर हावी हो जाएँगे। स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान और चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि राजनेता राष्ट्रीय स्तर के प्रचार और एजेंडे पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत का संघीय ढांचा राज्यों को अपनी सरकारें और नीतियाँ रखने की अनुमति देता है। एक राष्ट्र एक चुनाव शक्ति और निर्णय लेने को केंद्रीकृत करके इस संघीय ढांचे को कमजोर कर सकता है, जिससे राज्यों की स्वायत्तता और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। बार-बार चुनाव होने से मतदाता थक सकते हैं, जहाँ नागरिक असंबद्ध हो जाते हैं और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने में कम रुचि रखते हैं। एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रचार उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। सीमित फंडिंग वाले छोटे दल या उम्मीदवार बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से राजनीतिक प्रतिनिधित्व में असंतुलन पैदा हो सकता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आवाजों की विविधता सीमित हो सकती है। भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराएँ, प्राथमिकताएँ और नीतिगत प्राथमिकताएँ हो सकती हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव नीति निरंतरता को बाधित कर सकता है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर की सरकारों में बदलाव से राज्य स्तर के शासन में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं, जो संभावित रूप से दीर्घकालिक योजना और विकास को प्रभावित कर सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में समकालिक चुनावों को लागू करना महत्वपूर्ण तार्किक चुनौतियाँ पेश करता है। पर्याप्त सुरक्षा, कुशल प्रशासन और कई हितधारकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना जटिल हो सकता है और इससे चुनाव कराने में तार्किक विफलताओं या देरी का जोखिम बढ़ सकता है। संविधान संशोधनः विभिन्न स्तरों पर चुनावी चक्र और सरकारों के कार्यकाल को बदलने के लिए संविधान के कई प्रावधानों में संशोधन करने की आवश्यकता होगी, जो एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया हो सकती है।

एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का उद्देश्य चुनावों की आवृत्ति को कम करना और चुनावों के निरंतर चक्र से बचकर अधिक कुशल शासन प्रणाली बनाना है, जो विकास कार्यों को बाधित कर सकता है और महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ डाल सकता है। अधिवक्ताओं का तर्क है कि इससे बेहतर नीति निरंतरता होगी, क्योंकि सरकारों के पास बार-बार चुनावों से बाधित हुए बिना अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक निश्चित कार्यकाल और पर्याप्त समय होगा। हालांकि, ₹एक राष्ट्र, एक चुनाव₹ के कार्यान्वयन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और इसके लिए संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होती है। भारतीय संविधान में कहा गया है कि राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है, जबकि लोकसभा का कार्यकाल अविश्वास प्रस्ताव या अन्य तरीकों से पहले ही भंग किया जा सकता है। सभी चुनावों को एक साथ कराने के लिए, राज्य विधानसभाओं या लोकसभा को समय से पहले भंग करना होगा या उनके कार्यकाल को संरेखित करने के लिए विस्तारित करना होगा।

इसके अतिरिक्त, भारत के राजनीतिक परिदृश्य और देश के संघीय ढांचे की विविधता विभिन्न राजनीतिक दलों और राज्यों के बीच आम सहमति प्राप्त करना जटिल बनाती है। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक गतिशीलता, क्षेत्रीय मुद्दे और स्थानीय चिंताएँ हैं, जो चुनावों के लिए एक केंद्रीकृत दृष्टिकोण के साथ संरेखित नहीं हो सकती हैं।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

**भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।**

**आर.के. सिन्हा**

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़ कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देशभर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राममनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोजाना चार-पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ा कर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल, मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व है। यहां जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे, जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिलजुल कर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं।

क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण हिस्सों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राममनोहर लोहिया अस्पताल, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगाराम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूरदराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील का सफर कर यहां आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों के सेवा विस्तार से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है।

वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की गई, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में जब औसत उम्र कम थी तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़ कर 58 वर्ष हुई और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए। अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

**(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)**

# रावण क्लब की जोरदार बैठक

**व्यंग्य**

रावण क्लब के सदस्य चाहते थे कि इस साल दशहरा से पहले बैठक रखी जाए। पिछले साल दशहरा के बाद बैठक हो पाई थी लेकिन अफरातफरी में तभी राक्षसी हितों बारे ढंग से विचार विमर्श नहीं हो पाया। बैठक आयोजन बारे कुछ सदस्य, अध्यक्ष रावणजी से मिलने गए तो उन्होंने सौम्यता से स्वीकृति देते हुए कहा, मेरी नजर से देखो, मेरे दिमाग से समझो तो राक्षसी हितों की रक्षा करने में समाज बहुत सहयोग दे रहा है। समाज में ईर्ष्या द्वेष, नफरत और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं। इस बहाने हम सभी का कद ऊंचा होता जा रहा है।

रावणजी ने बैठक में कहा कि मुझे पूरा विशवास है कि समाज वाले पर्यावरण बारे न सोचकर हमारे ऊंचे पुतले जरूर बनवाएंगे और हमारे जैसे प्रसिद्ध नेताओं से उनमें आग लगवाएंगे। हमें बुराई का प्रतीक बताकर, हमारे पुतले जलाकर मान लेंगे कि बुराई कम हो गई। इस बहाने बुराई पर अच्छाई की विजय मान ली जाएगी। यह लोग पुतले जलाते रहते हैं, इन्हें लगता है पुतले फूंकने के साथ बुराई का अंत हो गया। बहुत नासमझ हैं। यह सब समाज में रोपित राक्षसी खूबियों के परिणाम हैं। अच्छाई अब चमकदार मुखौटा बन चुकी है, कोई अपना बुरा आचरण, अच्छे आचरण में बदलने को राजी नहीं, हर एक दिमाग में, मैं हूं ... यानी रावण प्रवृति। हमारे दरबार जैसी सुख सुविधाएं, मनोरंजन, नाच गाना, खाना पीना, मारना पीटना, उदंडता भारतवासियों को बहुत पसंद आ रही है, वे इनमें डूबे हुए हैं और अपने मानवीय, पारिवारिक, नैतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्य भूलते जा रहे हैं। इससे यही साबित होता है कि रावण प्रवृतियां बढ़ती जा रही हैं, यानी हमारे साम्राज्य को कोई खतरा नहीं। मेघनाद ने कहा, महाराज आप कहें तो मैं भी अपनी प्रशंसा कर लूं लेकिन रावण बोले, अब तो हर कोई रावण होना चाहता है। आदमी बुराई जल्दी सीखता है, अच्छाई नहीं। लोगों ने कितनी लंकाएं बसा रखी हैं, हम तो बुराई के प्रतीक मात्र हैं लेकिन समाज में तो अनगिनत रावण हैं, कितने मेघनाद और कुंभकर्ण तो करोड़ों हैं। हमारी असुर प्रवृति समाज में विकसित होती जा रही है। हमारे गुण यानी अहंकार, हवस, लोभ, मोह, काम, क्रोध, अनीति, अधर्म, अनाचार, असत्यता निसदिन बढ़ते जा रहे हैं। बुराई व्यवसाय बन चुकी है, हमारे नाम पर करोड़ों का व्यवसाय हो रहा है। रावणजी ने राक्षसों की बोलती बंद कर दी थी। उनके ओजस्वी भाषण के दौरान कुंभकर्ण को भी नींद नहीं आई। उसने मन ही मन संकल्प लिया कि वह अपना जीवन अब सोकर व्यर्थ नहीं जाने देगा बल्कि राक्षसी संस्कृति की की रक्षा और प्रसार के लिए संजीदा कार्य करेगा। मेघनाद को इशारा करते हुए रावणजी ने कहा, हम तुम्हें बोलने का अवसर दे रहे हैं लेकिन अपनी प्रशंसा के साथ हमारी प्रशंसा भी करना, बोलो पराक्रमी, हरयुगी राजा रावण की जय।

**- एस उत्सुक**

## पत्र

### अपनो ने ही बढ़ायी मुश्किलें

**टिकट** वितरण के समय राजनीतिक दलों में असंतोष नया नहीं, लेकिन हरियाणा बीजेपी में जो कुछ हो रहा है, उसे असंतोष नहीं, बगावत कहना सही होगा। जैसे-जैसे प्रत्याशियों की लिस्ट आती गईं, बगावत के स्वर मुखर होते गए। बेशक, दस साल बाद सत्ता में वापसी की आस लगा रही कांग्रेस को भी इससे बीजेपी पर तंज करने का मौका मिल गया है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि खुद कांग्रेस भी हरियाणा में लंबे वक्त से गुटबाजी का शिकार रही है और वह इस बार प्रत्याशियों की घोषणा बहुत सावधानी के साथ कर रही है।

हरियाणा बीजेपी आज जिस तरह की बगावत का सामना कर रही है, शायद ही यहां उसके साथ पहले ऐसा हुआ हो। इसकी वजह भी है। चार मंत्रियों समेत 15 विधायकों के टिकट काटना सामान्य तो हरगिज नहीं है। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में बीजेपी को पिछली बार 40 सीटें मिली थीं। यानी एक-तिहाई से भी ज्यादा विधायकों के टिकट काट दिए गए। लेकिन यह बात भी सही है कि ऐसी ही रणनीति दूसरे राज्यों में उसके लिए कारगर साबित हो चुकी है।

**देवेंद्र पाठक, रोहतास**

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
**email :** metrorays.ranchi@gmail.com

# चौकीदार बहाली में अनियमितता को लेकर अभ्यर्थियों ने डीसी को दिया आवेदन

मेट्रो रेज

**दुमका :** जामा प्रखंड क्षेत्र के कई गांव के अभ्यर्थियों ने दुमका जिला अंतर्गत चौकीदार के पद पर सीधी एवं बैकलॉग भर्ती कई गांओं का नाम किसी भी बीट में नहीं होने के कारण उसके आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया है। मंगलवार को दर्जन अभ्यर्थियों ने उपायुक्त के जनता दरबार में पहुंचकर अपना आवेदन सौंप कर शिकायत दर्ज कराई है। उपायुक्त की अनुपस्थिति में उप विकास आयुक्त को आवेदन देकर छूते हुए गांव का नाम जोड़ने का आग्रह किया है। व्यक्तियों का कहना है कि जामा प्रखंड के दुबरी कदेली, बसबुटिया, धनाडीह, भोड़ाबादर, चाचने, पंचरुखी आदि गांव का नाम किसी भी बीट में नहीं है जबकि सिमरा पंचायत के कुरुमटाँड़, हल्दीपट्टी, सिमरा, बाबूकदेली आदि गांव का दो से तीन बीट में अंकित किया गया है। अभ्यर्थियों ने बताया कि पूर्व में इस बारे में कार्यालय से संपर्क करने पर बताया गया था कि अपने पंचायत के किसी भी बीट से आवेदन कर दीजिए जब उन्होंने अपने पंचायत के दूसरे गांव से आवेदन किया तो उसे आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया है। लोगों का कहना था कि बरसों बाद चौकीदार की नियुक्ति हो रही है अगर इसमें हम लोग भाग नहीं ले पाए तो फिर हम लोगों की आगे की पीढ़ी ही इसमें भाग ले पाएंगे। मसलिया प्रखंड के अभ्यर्थियों ने कहा कि उनके प्रखंड के भी कई गांव का नाम में त्रुटि के कारण लोगों का नाम रिजेक्ट कर दिया गया है। अब ध्यान ने बताया कि पाकुड़, रामगढ़ जिला सहित कई जिलों में पंचायत स्तर पर आवेदन लिया गया है। सिर्फ दुमका जिले में ही बीट बनाकर आवेदन लिया गया है जिसमें काफी त्रुटियां आ रही है। व्यक्तियों ने कहा कि सभी अभ्यार्थियों ने उपायुक्त दुमका से उपरोक्त त्रुटियों को दूर कर उन लोगों को भी इस प्रतियोगिता में शामिल करने का गुहार लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी मांगे पूरी नहीं होने पर अंततः न्यायालय के शरण में जाना पड़ेगा।

चौकीदार भर्ती के अभ्यर्थियों के मांगों का पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संताल परगना के केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ अमरेंद्र कुमार यादव एवं बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष शिवनारायण दर्वे ने समर्थन करते हुए कहा कि चौकीदार भर्ती प्रतियोगिता से वंचित इन सभी गांव के बेरोजगार युवकों को निश्चित रूप से मौका दिया जाना चाहिए। जिससे यह वंचित अभ्यार्थी भी अपने उज्जवल भविष्य के लिए प्रतियोगिता में शामिल हो सके। उपायुक्त को आवेदन देने वालों में दीपेश राउत,संदीप कुमार यादव,दीपक कुमार दर्वे,राहुल कुमार, कुंदन कुमार,अंकित कुमार यादव, रोज मेरी हेंब्रम,सुप्रिया मरांडी, हितेश मंडल,मिथुन मांझी,आकाश दर्वे, गौतम कुमार दर्वे व अन्य लोग शामिल थे।

## एसीबी ने रिश्वत लेते लिपिक को किया गिरफ्तार

**हजारीबाग।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी ) ने हजारीबाग जिले के प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कार्यालय के लिपिक विकास कच्छप को मंगलवार को रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है। एसीबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार ब्यूरो को लिखित राज कुमार ने आवेदन दिया था कि विजय बस (जेएच02एभी 8861) जो देवघर रांची मार्ग पर चलता है। इसका परिमिट का रिनूअल करने के लिए प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कार्यालय हजारीबाग में कार्यरत लिपिक विकास कच्छप के जरिये परमिट रिनूअल करने के एवज में छह हजार रिश्वत की राशि की मांग कर रहे है। शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहते थे। जांच के दौरान आरोप सत्य पाया गया। एसीबी टीम ने विकास कच्छप को छह हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वह रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र के हिनू स्थित खुखमाटोली हाउस नंबर- 64 ए का रहने वाला है। गिरफ्तारी के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## न्यूज IN ब्रीफ

### इलाज के दौरान शब्बीर शेख की मौत

**साहिबगंज/राजमहल :** प्रखण्ड के मानसिंहा बनगांव निवासी शब्बीर शेख उम्र 23 वर्ष,पिता रज्जाक शेख,मजदूरी करने के लिए मुंबई गया था।अचानक बीते दिनों पेट में दर्द के कारण मुंबई जीटी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया इलाज के दौरान शब्बीर सेख की मृत्यु हो गई। वही जब इसकी जानकारी राजमल नगर पंचायत अध्यक्ष सह झामुमो के पूर्व प्रत्याशी केताबुद्दीन शेख को हुई तो वह शब्बीर शेख के घर पहुंचकर परिवार वालों के दुःख में शामिल होकर परिवार वाले का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बताया कि सब्बीर सेख की शादी 01 साल पहले ही हुई थी। वही आज उसका डेड बॉडी मानसिंघा बनगांव पहुंचा। वही परिवार वालो का रो- रो कर बुरा हाल है।

### बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के पशुओं के लिए जिला प्रशासन ने किया चारा की व्यवस्था

**साहिबगंज :** जिला में बाढ़ की समस्या को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट पर हैं। पशुपालकों के बीच पशु-चारा बिचाली, कुट्टी का वितरण किया गया।जिला में बाढ कि समस्याओं से निपटने के लिए पशुओं के लिए पशु राहत शिविर मुख्य स्थान शंकुतला घाट, बायसी स्थान, निमार्णाधीन केंद्रीय विद्यालय स्टेडियम रोड, एवं रेलवे माल कैम्पस में बनाई गई है । पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरिशंकर झा के नेतृत्व में पशुओं के लिए पशु-चारा बिचाली, कुट्टी का वितरण किया गया।जिनमें राहत शिविर शकुंतला घाट पर 29 पशुपालकों के बीच, बड़ा पशु 112, छोटा पशु 51 कुल 163 पशुओं के बीच 1150 किलोग्राम ग्यारह क्विंटल पचास किलोग्राम पशु चारा बिचाली कुट्टी का वितरण किया गया ।पशु राहत शिविर रेलवे मालगोदाम पर 29 पशुपालकों के बीच, बड़ा पशु 153 , छोटा पशु 96 कुल 249 पशुओं के बिच 1650 किलोग्राम सोलह क्विटल पच्चास किलोग्राम पशु चारा बिचाली कुट्टी का वितरण किया गया ।पशु राहत शिविर बायसी स्थान पर 37 पशुपालकों के बीच, बड़ा पशु 135, छोटा पशु 52 कुल 187 पशुओं के बीच 1350 किलोग्राम (तेरह किंवटल पच्चास किलोग्राम) पशु चारा बिचाली कुट्टी का वितरण किया गया।

### हिन्दुत्व की भावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे : सन्नी राज

**साहिबगंज :** हिन्दू क्रान्ति संघ के हिन्दुत्व की भावनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे एवं हिन्दू क्रान्ति संघ के प्रति कर्म निष्ठ रहेंगे। साहिबगंज जिला में हिंदू क्रांति संघ का कार्यकरने हेतु हिंदू जागने के लिए मुझे सनातनी भाइयों का सहयोग से मुझे जिला साहिबगंज में जिला अध्यक्ष सन्नी राज, साहिबगंज सचिव मयंक यादव कोषा अध्यक्ष -रितेश यादव में नियुक्ति पत्र दिया गया। मोहन ठाकुर केंद्र अध्यक्ष द्वारा मैं सदा कर्म निष्ठा से पालन करूंगा। जलते दीपक में भगवा है। कब तक उसे बुझाओगे भगवा मिटाने वालों कैसे सूरज चाँद मिटाओगे। सोए हुए हिंदुत्व को जगाने आए हैं। जिला अध्यक्ष सन्नी राज ने पत्रकार से बात चित करते हुए कहा कि संगठन विस्तार के लिए रविवार को एक बैठक रखा गया है। बैठक में सदस्य बनाया जाएगे। और सनातनी धर्म मानने वालों के लिए हम लोग सरकार की योजनाओं को जन-जन पहुंचने का भी काम करेंगे ।

### मांडू बीडीओ का फर्जी साइन कर नाजिर ने निकाला 9.15 लाख, रुक गया छह लाख का चेक

**रामगढ़।** जिले में एक तरफ घोटालेबाज सरकारी राशि गटक रहे हैं, तो दूसरी तरफ सरकारी कर्मचारी भी माफियाओं की तरह कार्य कर रहे हैं। मांडू प्रखंड में पदस्थापित नाजिर मंजीत कुमार और एक पूर्व अनुबंध कर्मी भुवनेश्वर महतो उर्फ. लूरक महतो ने बीडीओ का ही फर्जी साइन कर लाखों रुपए निकाल लिए। उनके इस कांड का खुलासा तब हुआ जब बैंक ने छह लाख का चेक रोक कर अधिकारियों से हस्ताक्षर का सत्यापन कराया। इस मामले में डीसी चंदन कुमार ने मंगलवार को दोनों कर्मियों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज करने और निम्न वर्गीय लिपिक सह नाजिर मंजीत कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने का आदेश जारी कर दिया है।

**दर्द होगी प्राथमिकी, नाजिर की नौकरी पर लटकी तलवार**

डीसी चंदन कुमार ने बताया कि मांडू प्रखंड नजारत से प्रखंड विकास पदाधिकारी का फर्जी साइन कर 9.15 लाख रुपए की निकासी कर ली गई है। साथ ही 5.93 लाख रुपए की निकासी का असफल प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि इस गोरख धंधे में पूर्व अनुबंध दैनिक कर्मी भुनेश्वर महतो उर्फ. लूरक महतो और निम्न वर्गीय लिपिक सह नाजिर मंजीत कुमार की संलिप्तता सामने आई है । उन दोनों के खिलाफ प्रखंड विकास पदाधिकारी, मांडू को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है। साथ ही मंजीत कुमार को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी आदेश जारी किया है कि मंजीत कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए?।

**जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने में फर्जी हस्ताक्षर कर निकाला गया चेक :** डीसी चंदन कुमार ने बताया कि भुवनेश्वर महतो और मंजीत कुमार के द्वारा जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने में फर्जी हस्ताक्षर कर 6 चेक निकाले गए थे। इनमें से चार चेक को बैंक आफ इंडिया मांडू में भुगतान कराया गया है। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट के अनुसार 2 जुलाई 2024 को चेक संख्या 41751 से 2.40 लाख , 9 जुलाई 2024 को चेक संख्या 41775 से 2.30 लाख, 17 अगस्त 2024 को चेक संख्या 75202 से 1.15 लाख और 12 सितंबर 2024 को चेक संख्या 77320 से 3.30 लाख की फर्जी निकासी कर ली गई है। इन सारे चेक पर प्रखंड विकास पदाधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अलावा 31 अगस्त 2024 को चेक संख्या 75716 से 3.20 लाख और 21 सितंबर 2024 को चेक संख्या 77308 से 2.73 लाख निकालने का प्रयास किया गया था। साइन में गड़बड़ी होने की आशंका से बैंक के अधिकारियों ने जब संपर्क किया, तो यह पूरा मामला उजागर हुआ।

## सखी मंडल की दीदियों ने 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के तहत ली स्वच्छता की शपथ

मेट्रो रेज

**साहिबगंज :** बोरियो प्रखंड के गौरीपुर ग्राम में दिनांक 24 सितंबर 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के तहत सखी मंडल की दीदियों द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करना है।कार्यक्रम में सखी मंडल की सभी दीदियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने अपने आस-पास के क्षेत्रों की सफाई की और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली। इस शपथ के अंतर्गत सभी दीदियों ने हर वर्ष 100 घंटे, अर्थात हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने का संकल्प लिया है, ताकि अपने गांव और समुदाय को स्वच्छ और स्वस्थ रखा जा सके।

इस कार्यक्रम में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक और सखी मंडल की दीदियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उपस्थित सभी सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाया और इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम के अंत में, उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए संकल्प लिया कि वे अपने गांव और समुदाय को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

## गोवंशीय पशुओं की तस्करी का भंडाफोड़ एक आरोपित गिरफ्तार

**पलामू ।** गत 23 सितंबर को दोपहर करीब 2.20 बजे एक गुप्त सूचना के आधार पर दंगवार ओपी प्रभारी पु.अ.नि. सोनु कुमार गुप्ता एवं उनकी टीम ने काजरात नावाडीह स्टेशन रोड से होते हुए दंगवार बस स्टैंड की ओर जा रहे एक पिकअप गाड़ी (रजि. नं. बीआर-26जीए-1285) को रोका। इस गाड़ी में 07 गोवंशीय पशुओं को क्रूरता पूर्वक लादकर बिहार ले जाया जा रहा था। गाड़ी की तलाशी लेने पर दो गाय, एक बछड़ा, एक भैंस तथा तीन भैंस के बच्चे पाए गए। वाहन के चालक, कन्हैया कुमार (पुत्र भीष्मदेव यादव, निवासी चतरा, चौरिया, थाना फेजर, जिला औरंगाबाद, बिहार), से पशुओं के परिवहन के वैध कागजात मांगे गए, लेकिन चालक कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। तत्पश्चात कन्हैया कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान, हुसैनाबाद थाना में कांड संख्या 206/24 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 317(5) बीएनएस एवं 47/48/50/52/54/56 पशु परिवहन नियम 1978, झारखंड गोवंशीय पशु हत्या प्रतिशेध अधिनियम 2005, तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

## पर्यावरण संरक्षण विषय को लेकर आयोजित बैठक संपन्न

मेट्रो रेज

**बासुकीनाथ :** गोटा भारोत सिदो कान्हू हूल बैसी द्वारा जरमुंडी प्रखण्ड अन्तर्गत खरबीला पंचायत के नया फेटका गांव में पर्यवरण संरक्षण विषय को लेकर मंगलवार को एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए बैसी के पूर्व सचिव सुलेमान मरांडी ने उपस्थित ग्रामीणों को वर्तमान समय में बिगड़ते पर्यावरण से समाज में हो रहे आर्थिक एवं शारीरिक नुकसान की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि दूषित पर्यावरण ने हमारे स्वास्थ्य को एवं जीवन जीने की आयु को प्रभावित किया है। जो एक गंभीर चिंता का विषय है। इस विषम परिस्थिति का सामना करने के लिए सब लोग मिलकर एक साथ आगे आना होगा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाना होगा । वर्तमान समय में विलुप्त होते पारंपरिक फसल मड़वा ,गुंदली, जानहें, ज्वार, बाजरा की खेती को बढ़ावा देने के साथ साथ खेतों में जैविक खाद का इस्तमाल भी करना होगा । इस मौके पर ग्रामीणों के बीच फलदार वृक्ष का पौधा वितरण किया गया। सामुदायिक नेत्री सोनामुनी बेसरा ने वर्तमान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जिसमे मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, सर्वजन पैंशन योजना, आबुआक आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजन की विस्तृत जानकारी देते हुए ग्रामिणों को योजनाओं का भरपूर लाभ लेने हेतु अनुरोध किया । बैठक में सुनीता सोरेन, धनमुनी हेम्ब्रम, महारानी टुडू, गोपीन मरांडी, जयलाल सोरेन, दिलीप सोरेन,सुनील बास्की, अंकिता सोरेन,सुहागिनी मुर्मू उपस्थित थे।

## अपर समाहर्ता ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

मेट्रो रेज

**साहिबगंज:** अपर समाहर्ता गौतम भगत ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। भगत ने रामपुर दियारा, गरमटोला, हाजीपुर दियारा सहित कई अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर बाढ़ प्रभावित गांव के ग्रामीणों से मुलाकात की और ग्रामीणों की समस्या से रूबरू हुए।अपर समाहर्ता द्वारा बाढ़ में फंसे लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। जिनमे चूड़ा, गुड़ मोमबत्ती माचिस का वितरण 40 परिवारों के बिच 300 किलोग्राम का वितरण किया गया। भगत ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन के द्वारा राशन की कमी नहीं होने दी जाएगी। समय - समय पर जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया जाता रहेगा।बाढ़ ग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों से कहा कि वह अपने मवेशियों एवं आवश्यक सामग्री के साथ सुरक्षित स्थानों पर या जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में प्रस्थान करें। वहीं श्री भगत ने बताया कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष नाव की व्यवस्था की गई है।दियारा क्षेत्रों में फंसे हुए लोगों को नाव के माध्यम से राहत शिविर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। राहत शिविर जाने वाले नागरिकों को जिला प्रशासन द्वारा नाव उपलब्ध कराया जा रहा है। राहत शिविर की स्थापना की गई है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा रहने एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

## तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक की मौत, तीन घायल

**लोहरदगा।** नेशनल हाईवे 75 कुडू - रांची मुख्य पथ पर बिहारी ढाबा के समीप अज्ञात कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मंगलवार को मौत हो गई । जबकि भागने के क्रम में कार की ठोकर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए हैं। तीनों का इलाज कुडू सीएचसी में चल रहा है। बताया जाता है कि कुडू के होटल में काम करने वाला मजदूर अशोक केसरी कुडू से काम करने के बाद साइकिल से अपने घर लौटने के बाद घर के बाहर निकलकर टहल रहा था। इसी बीच कुडू की तरफ से तेज रफ्तार से जा रही कार ने बिहारी ढाबा के समीप अशोक केसरी को अपनी चपेट में ले लिया । इससे अशोक केसरी गम्भीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए कुडू सीएचसी पहुंचाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई।

## काला बिल्ला लगाकर पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ पत्रकारों ने दर्ज किया विरोध

मेट्रो रेज

**साहिबगंज :** झारखंड सहित देश के अधिकांश हिस्सों में पत्रकारों का उत्पीड़न बढ़ता जा रहा है। जगह-जगह असामाजिक तत्वों के अलावे पुलिस प्रशासन का भी कोपभाजन पत्रकारों को बनना पड़ रहा है।हाल ही में जमशेदपुर जिला में एक पत्रकार आशीष गुप्ता के खिलाफ पुलिस ने झूठा मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तारी की है। इसके कारण राज्य के पत्रकारों में असंतोष उबाल पर है। पत्रकारों के हित एवं सुरक्षा के लिए सक्रिय संगठन ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वेल्फेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रमोद निरंजन के नेतृत्व में काला बिल्ला लगाकर पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ विरोध दर्ज किया जा रहा है। इस क्रम में मंगलवार को जिला मुख्यालय में पत्रकारों ने काला बिल्ला लगाकर पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ विरोध दर्ज किया। पत्रकारो ने सुरक्षा कानून बनाने की मांग की गई। मौके पर अरविंद कुमार, सुजीत कुमार,प्रमोद निरंजन, शशिकांत यादव, गोपाल शर्मा, मुकेश मिश्रा सहित अन्य पत्रकार मौके पर मौजूद थे।

# विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

मेट्रो रेज

**साहिबगंज/बरहरवा :** प्रखण्ड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी। नगर पंचायत बरहरवा एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों विधवा,वृद्धा एवं विकलांग पेंशन, अबुवा आवास, अंचल,राशन कार्ड, बोरिंग,एवं मैया सम्मान योजना आदि से संबंधित समस्या को लेकर उपस्थित हुए ग्रामीण तथा नगर पंचायत के लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के समक्ष रखा,जिसे बरकत खान ने बारी-बारी से सुनकर संबंधित अधिकारियों से वातार्लाप करके निदान करवाया।विधायक कक्ष मे बरहरवा नगर से सलमा खातून पति इजहार मंसूरी जितिया निवासी ग्रीन कार्ड की की समस्या को लेकर पहुंची बरकत खान ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से वातार्लाप करके जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का आग्रह किया।नरसिमल ग्राम बिशनपुर पंचायत में स्कूल के बगल अधूरे बोरिंग की समस्या को लेकर पहुंचे ग्रामीण जिसे जल नल मिशन के तहत करवाने के लिए पदाधिकारी से वातार्लाप किया गया।हसीना बीबी,कॉलोनी बीबी एवं समीमा खातून पहुंची अबुवा आवास की समस्या को लेकर बरकत खान ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास से वातार्लाप कर समस्या का निदान करने का आग्रह किया।बिंदु बड़ा पंचायत के विभिन्न ग्रामों में अबुवा आवास में अनियमित पर वार्ड सदस्यों द्वारा लिखित आवेदन पर अनुशंसा कर प्रखंड विकास पदाधिकारी के पास भेजा गया। पंचो बीबी,चतुरगुन साह, मंगीया बेवा उपचंद्र साह के विधवा,वृद्धा एवं विकलांग पेंशन,फॉर्म को अनुशंसा कर स्वीकृति के लिए भेजा गया।अमल कुमार नदी आंचल में सुधार हेतु आवेदन को आंचल अधिकारी के पास भेजा गया। और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आए मैया सम्मान योजना के लाभों को सम्मान राशि नहीं मिलने के उपरांत उसे ऑपरेटर द्वारा चेक करवा कर उसके ड्यूटी को सुधार करवाया गया।विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कुछ समस्याओं का निदान ऑन द स्पॉट करवाया तथा बाकी आवेदन को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए जल्द से जल्द समाधान कराने का आग्रह किया। वहीं विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि विधायक कक्ष में हम जनता दरबार के माध्यम से जनता का काम करते आए हैं।और आगे भी निस्वार्थ भाव से करते रहेंगे।हमारी प्राथमिकता क्षेत्र के लोगों का निस्वार्थ भावना से यथासंभव समस्याओं का निदान करना है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, निताय सरकार,नेहाल अख्तर, हारून शेख, अर्जुन रविदास, जीसू किस्कू, विकास सिंह, मो अहमद, आलमगीर मंसूरी,सहित दर्जनों ग्रामीण एवं नगर के लोग उपस्थित थे।

# जूनियर एनटीआर की 'देवरा' 27 सितंबर को होगी बॉक्स ऑफिस पर रिलीज

जूनियर एनटीआर की 'देवरा' 27 सितंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी। फैंस भी इस फिल्म को देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसी तरह अब फिल्म ने ओवरसीज प्री-बुकिंग में नया रिकॉर्ड बना लिया है। आंकड़ों से हर कोई हैरान है। 'आरआरआर' के बाद दर्शक एक बार फिर जूनियर एनटीआर को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। जूनियर एनटीआर की 'देवरा' रिलीज होने में महज 3 दिन बचे हैं। सोशल मीडिया पर भी इस फिल्म को लेकर माहौल बना हुआ है। अब फैंस को बस फिल्म की रिलीज का इंतजार है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर जूनियर एनटीआर के साथ काम कर रही हैं। साथ ही इस फिल्म में एक्टर सैफ अली खान भी हैं। भारत में इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है।हालांकि, विदेश में फिल्म 'देवरा' की प्री-बुकिंग तेजी से बढ़ रही है। इस फिल्म की रिलीज से पहले जूनियर एनटीआर ने एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। जूनियर एनटीआर पहले भारतीय अभिनेता बन गए हैं। जिनकी फिल्म ने प्री-सेल्स में 2 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है।

### जूनियर एनटीआर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

जब से जूनियर एनटीआर की 'देवरा' का ट्रेलर रिलीज हुआ है, फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म में वह डबल रोल में नजर आएंगे। फिल्म की एडवांस बुकिंग कुछ दिन पहले ही अमेरिका में शुरू हो चुकी है। ऐसे ही अब मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर कर कई जानकारी दी है। फिल्म 'देवरा' 300 करोड़ के बजट पर बनी है। अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग का रिस्पॉन्स देखकर मेकर्स भी काफी उत्साहित हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि फिल्म पहले दिन ही जबरदस्त कमाई करने वाली है। जूनियर एनटीआर की साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म। फिलहाल पूरी टीम इस फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही है।

# वंदे भारत ट्रेन में सफर करती दिखीं ईशा देओल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और एक्ट्रेस हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल हमेशा चर्चा में रहती हैं। ईशा सोशल मीडिया पर हमेशा कुछ न कुछ शेयर करती नजर आती हैं। ईशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में ईशा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से सफर करती नजर आ रही हैं। उनके वीडियो ने सभी का ध्यान खींचा है।

इस वीडियो को ईशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। इस वीडियो में ईशा रेलवे स्टेशन पर नजर आ रही हैं। ईशा ने अपनी पहचान छुपाने के लिए हुडी पहनी हुई है। इस वीडियो के जरिए ईशा अपनी पूरी जर्नी दिखाती नजर आईं। जैसे ही कुछ फैंस की उन पर नजर पड़ी तो उन्होंने उनका वीडियो शूट करना शुरू कर दिया। ये सब कुछ ईशा ने अपने वीडियो में रिकॉर्ड किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए ईशा ने कैप्शन में लिखा, ''लंबे समय बाद ट्रेन का सफर करने जा रही हूं। मैं वंदे भारत से सफर करने जा रही हूं।'' पूरी यात्रा में मुंबई सेंट्रल के स्टेशन की झलक दिखाई गई है। इस वीडियो पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और लोगों को उनका पब्लिक मोड में सफर करने का आइडिया काफी पसंद आ रहा है। ईशा के काम की बात करें तो ईशा आखिरकार 2021 की शॉर्ट फिल्म 'एक दुआ' में नजर आएंगी। वह अजय देवगन की 2022 थ्रिलर सीरीज 'रुद्रः द एज ऑफ डार्कनेस' और सुनील शेट्टी की हंटरः टूटेगा नहीं तोड़ेगा में भी देखी गईं।

ईशा देओल ने इसी साल भरत तख्तानी से तलाक लिया है। 6 फरवरी को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी थी। ईशा देओल और भरत तख्तानी की दो बेटियां हैं। उनकी बड़ी बेटी राध्या तख्तानी है जो 7 साल की है और दूसरी बेटी मिराया तख्तानी है जो 5 साल की है। जानकारी के मुताबिक, बेटियों की परवरिश का सारा खर्च भरत तख्तानी उठाएंगे और मां ईशा देओल उनकी देखभाल करेंगी।

# 'वॉर-2' की शूटिंग के लिए इटली पहुंचे ऋतिक और कियारा

ऋतिक रोशन आगामी फिल्म 'वॉर 2' सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। फिलहाल ऋतिक इटली में फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। हाल ही में सेट पर ऋतिक की कुछ तस्वीरें वायरल हुई। इसमें वह एक्शन सीन शूट करते नजर आ रहे हैं। अब ऋतिक और कियारा आडवाणी का वीडियो भी वायरल हो रहा है। दोनों एक रोमांटिक गाने की शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन-कियारा अडवाणी की फ्रेश जोड़ी नजर आएगी। वीडियो में दोनों इटली की सड़कों पर कैजुअल अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं। पिंक मिनी ड्रेस में कियारा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वह दौड़ते हुए ऋतिक को गले लगाती नजर आ रही हैं। दोनों हाथ में हाथ डालकर चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह एक रोमांटिक सॉन्ग शूट है। दोनों का वीडियो वायरल हो रहा है।

फिल्म में संगीत प्रीतम का है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। इसमें साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में हैं। सभी क्रू अगले महीने भारत लौटेंगे। 'वॉर-2' अगले साल 15 अगस्त को रिलीज होगी।

# पुष्पा-2 से तृप्ति डिमरी का आइटम सॉन्ग हुआ रिजेक्ट

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा-2: द रूल' सोशल मीडिया पर सबसे चर्चित फिल्म है। इस फिल्म के पहले पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। फिल्म में सामंथा प्रभु का आइटम सॉन्ग 'ओ अंतवा मावा..' दर्शकों को काफी पसंद आया था। ऐसे में इस हिट आइटम सॉन्ग के बाद अब दर्शकों को फिल्म के दूसरे पार्ट में भी धमाकेदार आइटम सॉन्ग की उम्मीद है। कुछ दिनों पहले खबरें आई थीं कि तृप्ति डिमरी फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ आइटम सॉन्ग करती नजर आएंगी। कहा जाता है कि उन्होंने इस गाने के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन अब कहा जा रहा है कि उसे अस्वीकार कर दिया गया है। रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' में नजर आने के बाद तृप्ति डिमरी कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। फिलहाल तृप्ति डिमरी राजकुमार राव के साथ फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में नजर आएंगी। तृप्ति ने 'पुष्पा 2: द रूल' के आइटम सॉन्ग के लिए ऑडिशन दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा है कि मेकर्स ने तृप्ति डिमरी को रिजेक्ट कर दिया है। हालांकि, अभी तक रिजेक्शन की वजह सामने नहीं आई है। कुछ दिनों पहले इस फिल्म के आइटम सॉन्ग के लिए तृप्ति के साथ जान्हवी कपूर का नाम भी सामने आ रहा था। दर्शक पिछले कई दिनों से फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 'पुष्पा' भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। साथ ही इस फिल्म के गाने भी दर्शकों को खूब पसंद आए। इसलिए, 'पुष्पा 2: द रूल' में दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते, वे फिल्म के गाने के लिए सही अभिनेत्री की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा है कि सामंथा प्रभु फिल्म में कैमियो कर सकती हैं। हालाँकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अल्लू अर्जुन ने फिल्म में अपने किरदार को एक अलग लेवल पर ले गए हैं। इस फिल्म को आकर्षक बनाने के लिए वह काफी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म के पहले पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर 267.55 करोड़ का कलेक्शन किया था। इस फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

## 'हमारी पीढ़ी को 'टीवीएफ़' जैसा प्लेटफॉर्म मिलना किस्मत थी': अभिषेक बनर्जी

टीवीएफ़ (द वायरल फीवर) एक ऐसी प्रोडक्शन कंपनी बन गई है, जो हमेशा रिलेटेबल और दिलचस्प कंटेंट बनाती है। अपने शो के जरिए टीवीएफ़ ने लाखों लोगों के दिल जीते हैं और ये साबित किया है कि आज की पीढ़ी को सबसे अच्छे से को समझते हैं। टीवीएफ़ ने हमें सिर्फ काफी कमाल के शोज ही नहीं दिए, बल्कि एक्टर्स के करियर को भी आकर दिया है। बता दें कि अभिषेक बनर्जी अक्सर अपने करियर में टीवीएफ़ की अहम भूमिका के बारे में बात करते हैं।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बनर्जी ने टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार के कमाल के विजन के बारे में बात की, जो उस वक्त यूट्यूब पर वीडियो बनाने लगे थे, जब बहुत कम लोग इस प्लेटफार्म की पोटेंशियल पर विश्वास करते थे। शुरू में बनर्जी भी थोड़ा डाउटफुल थे, लेकिन चैनल ने बहुत बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी की अपनी किस्मत होती है, और उनकी किस्मत थी कि उन्हें टीवीएफ़ मिला, जिसने उन्हें ऐसा कंटेंट बनाने का मौका दिया जो दर्शकों को पसंद आया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें बहुत आत्मविश्वास मिला। उन्हें ये कहकर अपनी बात खत्म की कि आज इंडस्ट्री में कई लोगों के करियर में टीवीएफ़ का बड़ा योगदान कर रहे हैं। टीवीएफ़ ने हमेशा दिखाया है कि कंटेंट सबसे जरूरी चीज है, और वे लीडर्स हैं जिन्होंने अपने शो के साथ एक नया स्टैंडर्ड सेट किया है। वे ऐसे रीलेटेंल कंटेंट प्रदान करते हैं जिसे आज का युवा देखना चाहता है। द वायरल फीवर भारत में वेब सीरीज़ बनाने वाली पहली कंपनियों में से एक थी, जिसमें परमानेंट रूममेट्स, हॉस्टल डेज़, टीवीएफ़ पिचर्स और टीवीएफ़ ट्रिपलिंग जैसे पॉपुलर शो शामिल थे। इसके अलावा, इस साल, टीवीएफ ने सपने वर्सेज एवरीवन, वेरी पारिवारिक, पंचायत सीजन 3, कोटा फैक्ट्री सीजन 3, गुल्लक सीजन 4 और अरेंज्ड कपल जैसे शो के साथ सच में अपना दबदबा बनाया है।

# पीवी सिंधु के सलाहकार कोच बने दक्षिण कोरिया के ली ह्यून इल

**नई दिल्ली :** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु दक्षिण कोरिया के महान खिलाड़ी ली ह्युन इल को अंतरिम आधार पर अपना सलाहकार कोच बनाएंगी। यह कदम हाल ही में सिंधु के अंतरिम कोच के रूप में अनूप श्रीधर की नियुक्ति के बाद उठाया गया है। दोनों दिसंबर 2024 तक सिंधु की कोचिंग टीम में रहेंगे। उस समय तक स्थायी कोचिंग टीम पर निर्णय होने की उम्मीद है। सिंधु के अक्टूबर में फिनलैंड ओपन और डेनमार्क ओपन में प्रतिस्पर्धी कार्रवाई में लौटने की उम्मीद है। पूर्व विश्व नंबर 1 और प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के दौरान सिंधु के साथी ह्यून इल, विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव और सावधानीपूर्वक तैयारी के लिए प्रतिष्ठा लेकर आए हैं। वह 2006 की विश्व चैंपियनशिप में एकल में कांस्य पदक विजेता हैं और उनके नाम 2002 और 2014 में दो एशियाई खेलों के टीम स्वर्ण पदक हैं। श्रीधर के साथ उनके शामिल होने का उद्देश्य एक गतिशील कोचिंग जोड़ी बनाना था, जिसमें अनुभव, सामरिक सटीकता और खेल के गहन ज्ञान का मिश्रण हो। दोनों कोच सिंधु की तैयारी में मदद करेंगे क्योंकि वह ओलंपिक के बाद के अभियान की शुरुआत कर रही हैं और आगामी यूरोपीय सर्किट के लिए अपने खेल को बेहतर बनाना चाहती हैं। सिंधु ने कहा, ₹मैं इस महत्वपूर्ण अवधि में अनूप और ली ह्यून इल को अपनी टीम में शामिल करके रोमांचित हूं। भारतीय बैडमिंटन के बारे में अनूप की समझ और उनके रणनीतिक दृष्टिकोण ने मुझे हमेशा प्रभावित किया है और मैं उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। सिंधु ने कहा, ₹ली को उनकी सावधानीपूर्वक तैयारी और शानदार अनुभव के साथ शामिल करना एक सम्मान की बात है। मैंने हमेशा उनके विवरण पर ध्यान देने का सम्मान किया है और मैं इन अगले कुछ महीनों के दौरान उनसे सीखने के लिए उत्सुक हूं। सिंधु की कोचिंग टीम में शामिल होने पर, ह्यून इल ने कहा, ₹पीवी सिंधु के साथ काम करना एक आसान निर्णय था। पीबीएल में हमारी पिछली साझेदारी ने उनके दृढ़ संकल्प और असाधारण प्रतिभा को उजागर किया। मैं आगामी टूर्नामेंटों में उनके विकास और सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं। नई कोचिंग टीम नियुक्त करने का निर्णय कोच अगुस द्वी सैंटोसो का भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद लिया गया। अपनी यात्रा करने वाली टीम को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता को समझते हुए, सिंधु एक ऐसे कोच की तलाश कर रही हैं जो उनके साथ सक्रिय रूप से अभ्यास कर सके और उनके दैनिक प्रशिक्षण में योगदान दे सके। सिंधु ने अपनी बैडमिंटन यात्रा में सैंटोसो के योगदान को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "मैं कोच अगुस की ओलंपिक के लिए मुझे तैयार करने में किए गए सभी प्रयासों के लिए वास्तव में उनकी सराहना करती हूँ। उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता ने मुझे चोट से उबरने और प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह सिर्फ एक कोच से कहीं बढ़कर बन गए; वह एक दोस्त और मार्गदर्शक बन गए। मुझे उनके साथ सुबह-सुबह के प्रशिक्षण सत्र याद आएंगे और मैं हमेशा उनका सम्मान करूंगी।

## 'बड़े मियां छोटे मियां' के निर्माताओं ने निर्देशक अली अब्बास जफर के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

पूजा एंटरटेनमेंट के वाशु भगनानी और जैकी भगनानी ने 'बड़े मियां छोटे मियां' के डायरेक्टर अली अब्बास जफर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अली अब्बास जफर पर 'बड़े मियां छोटे मियां' की शूटिंग के दौरान बदसलूकी का आरोप लगाया है। वाशु और जैकी का कहना है कि अली अब्बास जफर ने अबू धाबी अधिकारियों से मिली सब्सिडी का दुरुपयोग किया है। ऐसे में मामले की जांच के तहत बांद्रा पुलिस जल्द ही अली अब्बास जफर को तलब कर सकती है।

### फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के बारे में

फिल्म ' बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और जैकी श्रॉफ दो बड़े सितारे थे। इस फिल्म की कहानी हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही थी लेकिन फिर भी फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में नाकामयाब रही।

### आरोप

अक्षय कुमार की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बमुश्किल 100 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे निर्माताओं को भारी नुकसान हुआ। अपनी शिकायत में निर्माताओं ने आरोप लगाया है कि फिल्म के निर्देशक और उनके सहयोगियों ने फिल्म का बजट बढ़ाया, रिश्वत ली, चालान बनाए और अबू धाबी शेल कंपनी के माध्यम से पैसे की उगाही की। जैकी और वाशू से पहले अली अब्बास जफर ने उन पर 7.30 करोड़ रुपये की फीस न देने का आरोप लगाया था। अली अब्बास जफर ने डायरेक्टर्स एसोसिएशन में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज की और हस्तक्षेप का अनुरोध किया, जिसके बाद फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडियन सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने बकाया भुगतान न करने पर जैकी और वासु से पूछताछ की। अब जैकी और वाशु ने सीधे तौर पर अली अब्बास जफर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

## बेन स्टोक्स सफेद गेंद से वापसी के लिए तैयार, मैकुलम ने इंग्लैंड में नए युग की शुरुआत की

**नई दिल्ली :** इंग्लिश टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि अगर ब्रेंडन मैकुलम उन्हें इंग्लैंड की फिर से शुरू की गई व्हाइट-बॉल टीमों के लिए खेलने के लिए वापस आने के लिए कहते हैं, तो ₹निश्चित रूप से उनकी हाँ₹ होगी, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अभी तक ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है, क्योंकि उनका ध्यान अगले महीने पाकिस्तान के टेस्ट दौरे की अगुआई करने के लिए समय पर फ़िट होने पर है। 33 वर्षीय स्टोक्स ने 2019 में लॉर्ड्स और 2022 में मेलबर्न में इंग्लैंड की विश्व कप फाइनल जीत में से प्रत्येक में मैच जीतने वाली पारियाँ खेली थीं, लेकिन पिछले साल नवंबर में भारत में एकदिवसीय टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से उन्होंने व्हाइट-बॉल अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। हालाँकि, अगले प्रमुख आईसीसी इवेंट, चैंपियंस ट्रॉफी के साथ, जो फरवरी में तेज़ी से नज़दीक आ रहा है, इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में स्वीकार किया कि स्टोक्स और जो रूट दोनों पर विचार किया जा रहा है। स्टोक्स ने पहले 2022 में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, क्योंकि उन्हें तेजी से बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में थकान महसूस हो रही थी।

# डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में भाग लेंगी इगा स्विएटेक

**वारसॉ :** विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक, जो व्यक्तिगत कारणों से सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से चूक गई थीं, डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में खेलेंगी, टेनिस खिलाड़ी के प्रबंधक ने मंगलवार को पोलिश मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में इसकी पुष्टि की। सितंबर की शुरुआत में, 23 वर्षीय खिलाड़ी यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से 6-2, 6-4 से हार गई थी। फिर उन्होंने सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। स्विएटेक की पीआर और संचार प्रबंधक पाउला वोलेका ने मंगलवार को पोलिश मीडिया को बताया,अगला टूर्नामेंट जिसके लिए इगा ने पंजीकरण कराया है, वह वुहान में होने वाली प्रतियोगिता है। स्पेन के मलागा में बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट में स्विएटेक की भागीदारी के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इससे पहले स्विएटेक ने शुक्रवार को डब्ल्यूटीए के हवाले से कहा था, ₹व्यक्तिगत कारणों से, मुझे बीजिंग में चाइना ओपन से हटना पड़ रहा है। मैं बहुत दुखी हूँ क्योंकि मैंने वहाँ बहुत अच्छा समय बिताया था और पिछले साल जीता था। मैं वहाँ वापस जाने के लिए और इंतज़ार नहीं कर सकती थी। प्रशंसक वहाँ शानदार टेनिस देख पाएँगे। मुझे खेद है कि मैं इसका हिस्सा नहीं बन पाऊँगी। वुहान में होने वाला टूर्नामेंट 7 से 13 अक्टूबर तक ऑप्टिक्स वैली इंटरनेशनल टेनिस सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

# जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 26 सीटों पर मतदान शुरू

एजेंसी

**श्रीनगर ।** केंद्रशासित राज्य जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए आज सुबह मतदान शुरू गया। दूसरे चरण में छह जिलों की 26 सीटों पर मतदाता का फैसला इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद होगा। इस चरण के चुनाव में शामिल अनेक क्षेत्र अलगाववादी गतिविधियों के केंद्र रहे हैं। ऐसे इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस चरण में कश्मीर घाटी की 15 और जम्मू संभाग की 11 सीटों पर मतदान प्रारंभ हो चुका है। 25.78 लाख मतदाता 239 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

कश्मीर के श्रीनगर जिले के निर्वाचन क्षेत्र हजरतबल, खानयार, हब्बाकदल, लाल चौक, चन्नापोरा, जदीबल, सेंट्रल शाल्टेंग, ईदगाह, बडगाम जिले के खंड बडगाम, बीरवाह, खानसाहिब, चरार-ए-शरीफ और चादूरा, गांदरबल जिले के दो निर्वाचन क्षेत्रों कंगन और गांदरबल, जम्मू संभाग में गुलाबगढ़, रियासी, श्रीमाता वैष्णो देवी, कालाकोट-सुंदरबनी, नौशेरा, राजौरी, बुद्धल, थन्नामंडी, सुरनकोट, पुंछ हवेली और मेंढर के मतदान केंद्रों में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा सीटे हैं। पहले चरण में 24 सीटों के लिए 18 सितंबर को मतदान हो चुका है। अंतिम तीसरे चरण में शेष 40 सीटों के लिए पहली अक्टूबर को मतदान होना है। आठ अक्टूबर को मतगणना के बाद रिजल्ट घोषित किया जाएगा। दूसरे चरण में पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा और भाजपा जम्मू-कश्मीर प्रमुख प्रमुख रविंदर रैना की किस्मत दांव पर है।

# श्रीलंका में संसदीय चुनाव 14 नवंबर को

**कोलंबो।** श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने रात को संसद भंग कर दी। इसके तत्काल बाद उन्होंने विशेष राजपत्र अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए। अधिसूचना के अनुसार, संसदीय चुनाव 14 नवंबर को होंगे। नामांकन प्रक्रिया चार अक्टूबर से शुरू होगी। नामांकन पत्र 11 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे। चुनाव के बाद संसद का पहला सत्र 21 नवंबर को आहूत किया गया है। इसी के साथ सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। श्रीलंका के प्रमुख समाचार पत्र 'डेली मिरर' अब राष्ट्रपति दिसानायके अंतरिम कैबिनेट का गठन कर सकते हैं। इसमें वह खुद और चार मंत्री होंगे। कैबिनेट में 15 विभागों का बंटवारा किया जाएगा। राष्ट्रपति दिसानायके पर्यटन, रक्षा, वित्त, न्याय, उद्योग और निवेश संवर्धन विभागों को अपने पास रखेंगे। प्रधानमंत्री विदेश मामलों, शिक्षा और मास मीडिया के अलावा अन्य विभागों के मंत्री भी बनेंगे। एनपीपी सांसद डॉ. हरिनी अमरसूर्या को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी, जबकि वरिष्ठ सांसद विजिता हेराथ और सांसद लक्ष्मण निपुण अराच्ची को कई विभागों के साथ मंत्री नियुक्त किया जाएगा। निपुण अराच्ची ने कोलंबो निर्वाचन क्षेत्र के सांसद के रूप में शपथ ले चुके हैं। यह सीट दिसानायके के राष्ट्रपति बनने से रिक्त हुई थी।

# शेख हसीना के तीन करीबी नेताओं पर हत्या के दो और नए केस

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और गिरफ्तार किए गए उनके करीबी सहयोगियों पर धड़ाधड़ नए मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। आज पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निजी उद्योग मामलों के सलाहकार सलमान एफ रहमान और पूर्व आईसीटी राज्यमंत्री जुनैद अहमद पलक को आज दो और हत्या मामलों में गिरफ्तार किया गया। इन्हें पहले ही हत्या जैसे संगीन आरोपों में सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। द डेली स्टार की खबर के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरफतुल रकीब की अदालत ने आज जांच अधिकारियों

की तीनों को हत्या के नए मामलों में गिरफ्तार करने की अर्जी मंजूर कर ली। इसके अलावा पूर्व समाज कल्याणमंत्री दीपू मोनी को हत्या के तीन मामलों में गिरफ्तार करने की औपचारिकता पूरी की गई। एक समाचार चैनल के प्रधान संपादक मोजम्मल बाबू को एक हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया। हाल ही में हुए सामूहिक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों को लेकर सभी मामले बड्डा पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे। कड़ी सुरक्षा के बीच बाबू को ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरफतुल रकीब की अदालत में पेश किया गया।

# 'मेक इन इंडिया' अभियान ने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में किया स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

**भोपाल।** भारत में अर्थव्यवस्था को गति देने और स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने के लिए आज के ही दिन 'मेक इन इंडिया' की शुरूआत हुई थी। इस अभियान की 10वीं वर्षगांठ पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही इस अभियान की शुरूआत करने और इसे गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनन्दन किया है।

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'मेक इन इंडिया' की 10वीं वर्षगांठ पर दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि 'देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाते हुए वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि में निर्णायक सिद्ध हो रहे 'मेक इन इंडिया' अभियान की 10वीं वर्षगांठ पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'वोकल फोर लोकल' के मंत्र के साथ इस अभियान ने देश की क्षमता और दक्षता में ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए विकास तथा समृद्धि के नए-नए प्रतिमान गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्रधानमंत्री जी ने इन 10 वर्षों में अपने विजन 'मेक इन इंडिया- मेक फॉर द वर्ल्ड ' के संकल्प को साकार करके दुनिया को दिखाया है। इस एक दशक में ही इस अभियान ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, रक्षा, विज्ञान, कृषि, रोजगार, डिजिटल इंडिया और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई है।

उन्होंने आगे कहा कि 'मेक इन इंडिया अभियान ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी स्थापित किया है। 'नया भारत' 'स्वदेशी' के मूल मंत्र के साथ दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से गतिमान है। देश के 140 करोड़ वासियों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने वाले इस अभियान के सफलतम 10 वर्ष पूर्ण होने पर समस्त मध्यप्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री जी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं।'

## न्यूज IN ब्रीफ

### रीट्रिट सेरेमनी देखने बाघा बार्डर जा रही इजराइली महिला का बैग छीन ले गए बदमाश

**चंडीगढ़।** बाघा बार्डर पर रीट्रिट सैरमनी देखने जा रही इजराइल की एक महिला का कुछ बदमाशों ने बैग छीन लिया। महिला की शिकायत पर पंजाब पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह महिला दो माह से भारत भ्रमण पर है। वह मंगलवार को अमृतसर पहुंची। अमृतसर घूमने के बाद शाम को एक ऑटो में सवार होकर बाघा बार्डर पर रीट्रिट सेरेमनी देखने के लिए निकली। रास्ते में बाइक सवार तीन युवकों ने उसका बैग झपट लिया। इस दौरान इजराइली महिला ऑटो से नीचे गिर गई। बदमाशों ने महिला का मोबाइल फोन भी छीनने का प्रयास किया। राहगीरों के एकत्र हो जाने पर झपटमार वहां भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने चोटिल महिला का प्राथमिक उपचार कराया। इजराइली महिला ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि बैग में पासपोर्ट, क्रेडिट कार्ड तथा भारतीय करंसी है। पुलिस ने महिला से पूछताछ के आधार पर आरोपित का स्कैच बनाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### महिला वॉशरूम में जीपीओ कर्मचारी का वीडियो बनाने की कोशिश, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) से एक 34 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जिसने वॉशरूम में महिला कर्मचारी का वीडियो बनाने की कोशिश की। पुलिस ने यह जानकारी बुधवार सुबह दी। आरोपित अल्टाडांगा का निवासी है और जीपीओ में ही अस्थायी कर्मचारी है। पुलिस ने बुधवार सुबह बताया, 'यह घटना मंगलवार सुबह करीब 11:50 बजे हुई जब शिकायतकर्ता जीपीओ कार्यालय के महिला वॉशरूम में थी। आरोपित दरवाजे के स्लिट के जरिए अपने मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश कर रहा था। अन्य कर्मचारियों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।' इस मामले में हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है और जांच शुरू कर दी गई है। आरोपित का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। फिलहाल उससे पूछताछ हो रही है।

### बंगाल सरकार को पता था डीवीसी छोड़ेगा पानी, सामने आया राज्य सरकार का पत्र

कोलकाता। दक्षिण बंगाल के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) द्वारा जल छोड़ने के कारण राज्य और केंद्र सरकार के बीच विवाद छिड़ गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दावा है कि डीवीसी ने बिना जानकारी दिए बड़ी मात्रा में पानी छोड़ दिया, जिसके कारण बंगाल में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो पत्र भेजे, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे को उठाया। हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार का एक पत्र अब सामने आया है जिससे इस बात का पता चलता है कि राज्य सरकार को पूरी जानकारी दी गई थी और सरकार ने भी इसे लेकर जिला प्रशासन को सतर्क किया था। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय का कहना है कि डीवीसी द्वारा जल छोड़ने का निर्णय एक समिति द्वारा लिया जाता है, जिसमें राज्य के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। इस समिति में पश्चिम बंगाल सरकार के साथ झारखंड सरकार और सेंट्रल वाटर कमीशन (सीडब्ल्यूसी) के प्रतिनिधि भी होते हैं। डीवीसी का कहना है कि जल छोड़ने की जानकारी पहले से ही सबको दी गई थी, लेकिन राज्य सरकार इस दावे को खारिज करती है। हालांकि, राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग के एक मेमो के अनुसार, राज्य पहले से ही इस बात से अवगत था कि जल छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने 20 सितंबर को प्रधानमंत्री को पहला पत्र लिखा था, जबकि इससे तीन दिन पहले, 17 सितंबर को नबान्न ने हावड़ा, हुगली, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व और पश्चिम बर्धमान, बांकुरा और पुरुलिया के जिला अधिकारियों को सतर्क कर दिया था। इस मेमो में कहा गया था कि डीवीसी 17 सितंबर से करीब ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़ेगा, जिसके कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके लिए प्रशासन को सभी आवश्यक तैयारियाँ करने को कहा गया था। साथ ही, कंसाबती बांध से भी पानी छोड़े जाने की संभावना थी, जिससे पूर्व मेदिनीपुर में बाढ़ की स्थिति बन सकती थी। राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री जावेद खान ने कहा कि डीवीसी ने राज्य को बताया या नहीं, मैं यह नहीं जानता। लेकिन हम किसी भी सतर्कता की स्थिति में तैयारी करते हैं। मई से ही हमारे विभाग में बाढ़ की तैयारी शुरू हो जाती है। डीवीसी के एक अधिकारी ने बताया कि जब आवश्यक होता है, तो पानी छोड़ना पड़ता है। यह निर्णय समिति द्वारा लिया जाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कंसाबती के मुकुटमणि बांध से पानी छोड़े जाने के कारण घाटाल क्षेत्र बाढ़ग्रस्त हुआ। भाजपा के प्रदेश सचिव जगन्नाथ चटर्जी ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने इसे मानव निर्मित बाढ़ कहा, जबकि हम इसे 'उमेन मेड' बाढ़ कह रहे हैं। राज्य के जलाशयों से समय पर पानी छोड़ा नहीं गया, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। इस बीच, ममता बनर्जी दावा करती रही हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार की सहमति के बगैर पानी छोड़ा गया जबकि राज्य सरकार का पत्र कुछ और ही बयां कर रहा है।

### एकाएक फटी धरती जमीन के नीचे समाहित हो गयी गाय

**पूर्वी चंपारण।** जिले के अरेराज प्रखंड क्षेत्र में एक वाक्या कौतुहल का विषय बना हुआ है।जहां एकाएक धरती फट गई और वहां बंधी गाय गड्ढा में समाहित हो गयी। इस बात की जानकारी मिलते ही उक्त वाक्या को देखने बड़ी संख्या में लोगो भीड़ उमड़ पड़ी। घटना अरेराज प्रखंड अंतर्गत मुंडा पंचायत के झखरा गांव में अवध सिंह के दरवाजे के सामने की है। जहां मंगलवार को आम के पेड़ के पास समतल भूमि में 14–15 फीट के वृत्त में मिट्टी करीब 15 फीट के आसपास नीचे धंस गयी। जिसमें दब कर अवध सिंह की एक गाय की मौत हो गई है। उसके बाद वहां अपरातफरी मच गई। लोगों ने गाय को निकालने का प्रयास किया,तो गाय निकालने का प्रयास करने वाले लोग ही उसमे धंसने लगे। अंततः लोगो का प्रयास विफल हो गया।स्थानीय जन प्रतिनिधियो ने इसकी जानकारी जिला प्रशासन और पुरातात्विक विभाग को दी है।हालांकि अब तक कोई अधिकारी मौके पर नही पहुंचा है।फिलहाल क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाओ का बाजार गर्म है।

### विश्व विजय सिंह तोमर की राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष के पद पर विश्व विजय सिंह तोमर की नियुक्ति की गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने इस संबंध में मंगलवार देर रात आदेश जारी किया है। विश्व विजय सिंह वर्त्तमान में भारतीय जनता युवा मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष हैं।

### सराफा बाजार में शिखर पर पहुंचा सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली।** घरेलू सराफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,520 रुपये से लेकर 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 70 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। देश के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 70,160 रुपये से लेकर 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 76,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,420 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरजी कर कांड : सीबीआई की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

# जानबूझकर कम रोशनी में किया गया पोस्टमार्टम

एजेंसी

**कोलकाता :** आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक डॉक्टर छात्रा की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम में लापरवाही के आरोप सामने आ रहे हैं। सीबीआई द्वारा इस मामले की गहन जांच की जा रही है। दो डॉक्टर और डोम के बयानों से पता चलता है कि पोस्टमार्टम के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में त्रुटियां हुईं।

सूत्रों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम जांच की वीडियोग्राफी के मानक पर भी सवाल उठाए गए हैं। जांचकताओं का दावा है कि वीडियोग्राफी में मृतका के शरीर पर चोट के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। इससे यह संदेह उत्पन्न होता है कि यह त्रुटि अनजाने में हुई या जानबूझकर? अगर यह जानबूझकर हुई है, तो इसके पीछे का कारण क्या हो सकता है?

नौ अगस्त को सूर्यास्त के बाद सिर्फ एक घंटे और दस मिनट के भीतर शव का पोस्टमॉर्टम और अवलोकन किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6 बजे से 7:10 के बीच पोस्टमार्टम जांच पूरी की गई। पोस्टमॉर्टम जांच के दिन कुल आठ शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ, जिनमें से सात सूर्यास्त से पहले किए गए थे, लेकिन पीड़िता का पोस्टमॉर्टम सूर्यास्त के बाद किया गया था।

सूत्रों के अनुसार अस्पताल के एक डॉक्टर ने सीबीआई को दिए बयान में कहा है कि उन्होंने अंधेरे में जल्दबाजी में पोस्टमार्टम करने का विरोध किया था, लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। कम रोशनी में पोस्टमॉर्टम जांच किए जाने के कारण कई महत्वपूर्ण अवलोकन अधूरे रह गए।

सीबीआई सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान डॉक्टरों के साथ डोम भी मृत शरीर पर चोटों के निशान की पहचान करते हैं और उनका रिकॉर्ड तैयार करते हैं। लेकिन इस मामले में डोम से हुई पूछताछ में भी कई चूकें सामने आई हैं। मृत शरीर की सिलाई और अन्य प्रक्रियाओं को लेकर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका है।

मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि ₹सेमिनार हॉल में फॉरेंसिक नमूने लेने में भी गड़बड़ी पाई गई है। पोस्टमॉर्टम जांच रिपोर्ट की बारीकी से जांच में भी संदिग्ध परिस्थितियों का पता चला है।₹ शव को सही तरीके से संरक्षित न करने को लेकर भी सवाल उठे हैं। अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि उस दिन मर्चरी में जगह नहीं थी, लेकिन जांचकताओं का मानना है कि इस तरह के गंभीर मामले में यह कोई उचित कारण नहीं हो सकता।

डॉ. अपूर्व विश्वास, जो पोस्टमॉर्टम जांच के प्रभारी थे, से अब तक 22 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ हो चुकी है। मंगलवार को उन्हें फिर से बुलाया गया था और जरूरत पड़ने पर दोबारा पूछताछ की जाएगी।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

# सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में दबाव की स्थिति बनी हुई नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए शेयर बाजार हरे निशान में भी आया, लेकिन उसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, डिवीज लेबोरेट्रीज, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 3.79 प्रतिशत से लेकर 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एलटी माइंडट्री, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा और ब्रिटानिया

के शेयर 2.10 प्रतिशत से लेकर 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 966 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,390 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 77.59 अंक की कमजोरी के साथ 84,836.45 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण थोड़ी ही देर में ही ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 84,996.85 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवालों ने दबाव बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिर कर दोबारा लाल निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 42.54 अंक की कमजोरी के साथ 84,871.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 40.95 अंक टूट कर 25,899.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण ये सूचकांक भी थोड़ी देर में ही हरे निशान में 25,954.15 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 30.50 अंक की गिरावट के साथ 25,909.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 14.57 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,914.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 1.35 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,940.40 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय से मिली अन्त्योदय की प्रेरणा : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

**लखनऊ।** एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत प्रदेश सरकार के अन्य मंत्रियों ने चारबाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अंत्योदय की प्रेरणा दीनदयाल उपाध्याय से मिलती है। उनके चिंतन में गांव, गरीब, किसान और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उन्नयन के साथ ही महिलाओं को स्वावलंबन के पथ पर अग्रसर करने की दृष्टि भी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी ने जो जीवन दृष्टि अपने विचारों के माध्यम से भारतीय राजनीति को दी वह आज न केवल भारतीय लोकतंत्र के लिए अपितु अन्य राजनीतिक दलों के लिए प्रेरणादायक है। वह कहते थे हर हाथ को काम हो,हर खेत को पानी हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृति उत्थान व राष्ट्र के

समग्र विकास को जमीनी धरातल पर उतारकर एक नये भारत का दर्शन हम सब कर रहे हैं। भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को सदस्यता महाभियान के रूप में मना रही है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल व रामचन्द्र प्रधान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## भूमिहीन को जमीन देकर उमेश प्रसाद ने किया मिशाल पेश

**टंडवा :** आज के समय में जब हर इंसान संपत्ति बनाने और बचाने की कोशिश में लगा हुआ है, उमेश प्रसाद ने इन सबसे उपर उठकर भूमिहीन व्यक्ति को आवश्यकता अनुकूल भूमि देकर समाज के लिए आदर्श पेशकश किया है। दरअसल कोयद पंचायत अंतर्गत बरकुटे गांव के भूमिहीन सिटू साव पिता स्व. शंघर साव के लिए सबसे बड़ी दिक्कत यह था कि झारखंड सरकार के तहत अबुआ आवास योजना के तहत लाभ पाने वाले उक्त लाभुक को पर्याप्त जमीन नहीं होने के कारण करीब दो माह से आवास निर्माण कार्य हेतु आरंभ नहीं हो पाया। जिसको लेकर उक्त व्यक्ति ग्रामीणों के समक्ष अपना दर्द बयां कर चुका था। लेकिन वर्तमान समय में बेहद कम ही लोग ऐसे में दूसरे के दर्द को समझते हैं। जब सिटू साव ने अपनी समस्या समाजिक कार्यकर्ता उमेश प्रसाद के परिवार के समक्ष सादरपूर्वक रखा तो उक्त संबंध में परिवार में सभी ने सहानुभूति पूर्वक राजी हो गए । जिसके पश्चात उमेश प्रसाद के परिवार ने कोयद पंचायत के सरपंच देवंती देवी व ग्रामीणों के उपस्थिति में सिटू साव को जमीन चिह्नित कर दिया गया है।

लिहाजा सरपंच व ग्रामीणों ने उमेश प्रसाद के परिवार प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि आठ माह पूर्व ऐसे ही मामलों में उक्त गांव का ही भूमिहीन महेश साव के नाम व्यक्ति को जमीन देकर प्रसाद के परिवार ने सामाजिक सद्भावना का उदाहरण दे चुके हैं। गौरतलब है कि उमेश प्रसाद के दादा स्व बढन साव के द्वारा अधिकांशतः लोगों को अपने जमीन में देकर बसाये हुए हैं उनका मानना था कि वसुधैव कुटुम्बक जो पुरा मानव समुदाय एक परिवार है यहां पर सभी अपने हैं यानी सामाजिक सद्भावना के पक्षधर हमेशा रहे हैं निस्संदेह उनके वंशज भी उन्हीं के रास्ते पर चल रहे हैं। गौरतलब है कि सिटू साव के पिता को भूदान यज्ञ समिति के माध्यम से 1.5 एकड़ भूमि दान मिला हुआ है लेकिन टांड़ किस्म का भूमि होने के कारण मकान निर्माण संभव नहीं था । चिन्हित के दौरान नन्कु राम,तारकेश्वर राम, मुकेश राम , कुलेश्वर साव ,सोहराय यादव,आशा भुइयां,आशा देवी,अनूसूइया देवी, विश्वनाथ साव, हरदेव साव,अर्जुन कुमार,उषा देवी,सुधा देवी,सविता देवी ,रीता देवी,सविता देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थें।

## स्कूटी की टक्कर से बुजुर्ग घायल

**मांडरः** रांची डालटेनगंज मार्ग एनएच 39 में मांडर एलआईसी ऑफिस के निकट अज्ञात स्कूटी की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना मांडर थाना क्षेत्र के मांडर बाजार टांड में स्थित एलआईसी ऑफिस के निकट लगभग 5 बजे शाम की है जिसमे अज्ञात स्कूटी से टक्कर हो जाने से ग्राम नारो निवासी 65 वर्षीय सोमा उरांव गंभीर रूप से जख्मी हो गया पूछ ताछ से पता चला की सोमा उरांव निजी कारण से मांडर बाजार टांड़ स्थित यूनियन बैंक आया हुआ था और वह दस्तावेज जेरॉक्स कराने सड़क के पार गया हुआ था। वापस लौटने के क्रम में अज्ञात स्कूटी सवार से टकरा गया, जिससे वह गांभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों द्वारा तत्परता दिखाते हुए उसे मांडर के रेफरल अस्पताल में लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सोमा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।

## मोटरसाइकिल के साथ नदी में गिरने से दो युवकों की हुई मौत

**बानो:** बानो प्रखण्ड के बांकी नदी में गिरकर दो मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत गयी।मिली जानकारी के अनुसार राउरकेला निवासी सन्तोष साहू एवं गुरुचरण बड़ाईक तापकारा बरदा निवासी दोनो शाम को हाटिंगहोडे से बानो आ रहे थे ।तभी प्रखण्ड के बांकी मिशन स्कूल के समीप संतुलन बिगड़ जाने के कारण दुर्घटना हो गई ।जिससे दोनों नदी में जा गिरे ।रात्रि होने के कारण घटना की जानकारी नही मिल पाया रात भर नदी के पानी मे रहने के कारण मृत्यु हो गई।सुबह ग्रामीणों ने शव को देखा तो इसकी सूचना बानो थाना को दी गई,जानकारी मिलते ही बानो थाना प्रभारी विकास कुमार बाँकी नदी पहुँच कर शव कब्जे में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेज दिया गया।दोनों घरों का वाल पुट्ठी का काम करते थे। जानकारी मिलने पर बानो जिला परिषद बिरजो कंडुलना बानो थाना पहुँच कर घटना के बारे में जानकारी ली साथ ही मृतक के परिवार वालों से मुलाकात कर ढाढ़स बढ़ाया।

## हॉकी प्रतियोगिता संपन्न, ऐलगा उड़ीसा बना विजेता

**सिमडेगाः** प्रखंड के ताराबोगा जिलगा गांव में बिंझिया विकास समिति द्वारा आयोजित हॉकी प्रतियोगिता का समापन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में झापा नेता संदेश एक्का, जिलाध्यक्ष मतियस बागे, दामोदर बिंझिया, बलदेव सिंह आदि उपस्थित थे। प्रतियोगिता का फाईनल मैच ताराबोगा बनाम एलगा ओडिसा के बीच खेला गया। फाइनल मैच का शुभारंभ अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मौके पर अपने संबोधन में संदेश एक्का ने कहा कि सिमडेगा जिला खेल नगरी है। और हॉकी सिमडेगा की जान है। उन्होंने कहा कि हॉकी के कारण ही देश ही नहीं विदेशों में भी जिले की पहचान है। संदेश एक्का ने कहा कि जिले ने पुरुष हॉकी में माईकल किंडो, सिलबानुस डुंगडुंग, जस्टिन, बिमल लकड़ा जैसे स्टार दिए है। भविष्य में भी जिले से हॉकी स्टॉर निकले और इंडियन टीम में जगह बनाएं इसके लिए झापा प्रयास करेगी। संदेश ने कहा कि खेल नगरी में खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधा और संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद फाईनल मैच में पेनालटी सूट आउट में ओडिसा की टीम ने जिलगा ताराबोगा को 5-3 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जोसेफ डुंगडुंग, रसेल खलखो, बुधमार कैंस, गोविंद प्रधान, नंद कैंस, बुद्धेश्वर बिंझिया, चंदरु बिंझिया, सतिपाल दादुल, महेंद्र बिंझिया सहित कई लोग उपस्थित थे।

## दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**मांडरः** पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी सिकंदर उरांव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सिकंदर लोहरदगा जिले के रामपुर गांव का निवासी है और उस पर आरोप है कि उसने 17 मई 2024 को मांडर थाना क्षेत्र के गुड़गुड़ जाड़ी गांव की एक युवती को बहला-फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। जब पीड़िता ने विरोध किया, तो सिकंदर ने शादी का झांसा देकर उसे चुप रहने को कहा, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद युवती ने मांडर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के घर रामपुर गांव में छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सिकंदर उरांव को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

# चाईबासा के अपर उपायुक्त कमलेश्वर नारायण को दी गयी विदाई

## कमलेश्वर नारायण धनबाद के नये उप नगर आयुक्त बनाये गये हैं

ज्योति पाठक

**चाईबासाः** पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के एडीसी कमलेश्वर नारायण का तबादला उप नगर आयुक्त धनबाद हो गया है। इसी के फलस्वरूप पश्चिम सिंहभूम के समाहरणालय मे आज उनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिकारीगण शामिल हुए और उन्हें अपनी शुभकामना भी दी। यह क्षण और माहौल काफी पीड़ाजनक था गौरतलब हो कि 26वें अपर उपायुक्त के रूप में श्री नारायण ने 31 जनवरी 2024 को अपना पदभार ग्रहण किया था और महज आठ माह के कार्यकाल में ही इन्होने पश्चिम सिंहभूम जिला में अपर उपायुक्त के रूप में बेहतर कार्य का सृजन कर संबंधित कार्यों का निष्पादन किया और पूरे जिले के लम्बित मामलों को बेहतर तरीके से निष्पादित करने के लिए सार्थक पहल भी किया। श्री नारायण के लम्बे प्रशासनिक अनुभव का यह परिणाम रहा कि उन्होंने अपर उपायुक्त के रूप में आठ माह में ही अपने विभाग अधीन कार्यों को बेहतर ढंग से सम्पादित कर जिला को विकास गति दी। उनका तबादला धनबाद नगर निगम के उप नगर आयुक्त के रूप में हो गया है। यही नहीं श्री नारायण झारखण्ड प्रशासनिक सेवा के तेज तर्रार कर्मठ अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं तथा पलामू प्रमण्डल के कई अनुमण्डल में अनुमण्डल पदाधिकारी भी रह चुके हैं। हुसैनाबाद, लातेहार में आज भी इनकी पहचान लोकप्रिय अनुमण्डल पदाधिकारी के रूप में है। यही नहीं कोल्हान के आयुक्त रह चुके विजय कुमार सिंह जब सिमडेगा जिला के उपायुक्त थें तब उस जिला में श्री नारायण प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित रहें। आज भी कोल्हान के पूर्व आयुक्त विजय कुमार सिंह इनके बेहतर कार्यदक्षता और कार्य करने की प्रणाली को बेहतर मानते हैं। ऐसे अधिकारी जब भी जहां भी पदस्थापित रहते हैं वे अपने व्यवहार कुशलता, मृदुभाषिता और कार्य करने के बेहतर पद्धति से जिला, विभाग और राज्य को गौरवान्वित करते हैं।

## उच्च शिक्षा से ही उन्नति, रोजगार और समृद्धि संभवः बंधु तिर्की

### मांडर कॉलेज में एसआरसी ब्लॉक का शिलान्यास

**मांडरः** पूर्व मंत्री और राज्य सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि राज्य में इसके तेजी से विकास से शैक्षणिक उन्नति, रोजगार सृजन और समृद्धि एकसाथ संभव हो सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इंडिया गठबंधन की सरकार ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

रविवार को मांडर कॉलेज में एसआरसी. (साइंस, रिसर्च एंड कम्युनिकेशन) ब्लॉक के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान श्री तिर्की ने यह बात कही। इस ब्लॉक का निर्माण झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने किया।

शिलान्यास के बाद अपने संबोधन में शिल्पी नेहा तिर्की ने छात्रों को समय की महत्ता समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सभी छात्र-छात्राओं को अपनी क्षमताओं और अवसरों की गंभीरता को समझना चाहिए। पढ़ाई का यह सुनहरा अवसर बहुत महत्वपूर्ण है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से छात्रों से अपील की कि वे इस मौके का पूरा फायदा उठाएं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए पूरी मेहनत करें।

इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिंह, मांडर कॉलेज के प्राचार्य, महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और गैर-शिक्षण कर्मचारी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। उच्च शिक्षा और तकनीकी विकास की दिशा में यह शिलान्यास क्षेत्र के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिससे स्थानीय युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल सकेंगे।

## भारथी एजुकेशन ट्रस्ट ने किया स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन

**मांडरः** भारथी एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा बीएड, डीएलएड, जीएनएम. नर्सिंग और डी फार्मा पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए एक स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के विभिन्न विभागों में आयोजित इस परीक्षा में छात्रों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। महाविद्यालय के सचिव नितिन पराशर ने बताया कि यह स्कॉलरशिप कार्यक्रम महाविद्यालय की अपनी पहल है और कल्याण विभाग द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति से अलग है। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को सहायता प्रदान करना है। शैक्षणिक सचिव सह प्राचार्या दीपाली पराशर ने कहा कि महाविद्यालय के फाउंडर स्वर्गीय सतीश कुमार सिन्हा की स्मृति में इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, ताकि मेधावी छात्रों को आर्थिक समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस परीक्षा के माध्यम से 13 छात्रों का चयन होगा, जिन्हें प्रथम से तृतीय स्थान पर 25,000 से 15,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति मिलेगी, जबकि अन्य छात्रों को 5,000 से 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी।

## सीडीएसएल आईपीएफ ने झारखंड में निवेश जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

**रांचीः** झारखंड में सीडीएसएल आईपीएफ ने निवेश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

सीडीएसएल इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (सीडीएसएल आईपीएफ) ने हजारीबाग और सरिया में छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए निवेश जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह पहल एसआरएसएसआर हाई स्कूल-सरिया, जूनियर कॉलेज हाई स्कूल-बिशुनगढ़, बिष्णुगढ़ इंटर महाविद्यालय, पारसनाथमहाविद्यालय- जामताड़ा और तेनुघाट महाविद्यालय-बोकारो में आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और निवेशकों को पूंजी बाजारों में अपने निवेश के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना था, साथ ही निवेश के मूल सिद्धांतों पर भी प्रकाश डालना था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पहल ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे, कार्यक्रम बंगाली और अंग्रेजी में आयोजित किया गया। वक्ताओं ने छात्रों के लिए निवेश की अवधारणाओं को सरल बनाया, जिसमें निवेश की मूल बातें और डिपॉजिटरी के कामकाज जैसे विषयों को शामिल किया गया। निवेशकों को पूंजी बाजारों की जटिलताओं को आत्मविश्वास के साथ समझने और आत्मनिर्भरनिवेशक बनने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

## आदिवासियों का अस्तित्व मिटाने में लगी है सरकार : सांसद रवि किशन

**पलामूः** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हेमंत सरकार के खिलाफ 20 सितंबर से परिवर्तन यात्रा शुरू की है, जो 2 अक्टूबर को समाप्त होगी। भाजपा की परिवर्तन यात्रा में केंद्रीय नेताओं और सांसदों का झारखंड दौरा भी जारी है। इसी क्रम में पलामू के पांकी विधानसभा में आयोजित बीजेपी की परिवर्तन यात्रा में गोरखपुर सांसद व फिल्मस्टार रवि किशन शामिल हुए। उन्होंने लेस्लीगंज से पांकी तक रोड शो भी किया। मीडिया से बातचीत के दौरान रवि किशन ने अपने फिल्म लापता लेडीज की चर्चा की। उन्होंने बताया कि फिल्म ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुआ है। उन्होंने सभी से लापता लेडीज फिल्म देखने की अपील की।

भाजपा की सरकार आयी तो घुसपैठियों को खदेड़कर निकालेंगेः सांसद रवि किशन ने झारखंड सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार आदिवासियों का

अस्तित्व मिटाने में लगी है। झारखंड में घुसपैठियों के कारण आदिवासियों की ऐसी स्थिति हो गयी है। झारखंड में लगातार आदिवासियों की जनसंख्या घट रही है। जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अगर झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो घुसपैठियों को खदेड़ कर निकालेंगे। रवि किशन ने कहा कि सरकार एक विशेष समुदाय को मजबूत करने में लगी हुई है। केंद्र सरकार आदिवासियों के लिए कई योजना चला रही है। लेकिन आदिवासी मजबूत ना हो जाये, इसलिए सरकार उसे लागू नहीं कर रही है। कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ आदिवासियों को नहीं दिया जा रहा है। मौके पर पांकी विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

## झारखंड सरकार की ऐतिहासिक योजना है आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम : अनिल कंडुलना

मेट्रो रेज

**बानो :** प्रखण्ड के बानो पंचायत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार की आगुवई में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष श्री अनिल कन्डुलना ने कहा - झारखंड सरकार, झारखंड के अमर वीर शहीद और महान क्रांतिकारी के सपने को साकार करने वाले राज्य को सतत विकास की ओर ले जाने काम कर रही है।

यहाँ के मूल निवासियों के हक- अधिकारों का सम्मान किया जा रहा है। झारखंड को विकसित राज्य के समकक्ष ले जाने के क्रम में यहाँ के गाँव, जल, जंगल, जमीन और संस्कृति पर भी ध्यान

दिया जा रहा है। राज्य और राज्यवासियों के विकास के लिए अनेक लोक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। शिविरों के माध्यम से लोगों को अबुआ आवास दिया जा रहा है ,बहूचर्चित झारखण्ड मुख्यमंत्री माइयाँ सम्मान योजना,गुरूजी क्रेडिट कार्ड, बिरसा हरित ग्राम, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, साबित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि, मुख्यमंत्री पशुधन, सर्वजन पेंशन एवं अबुआ वीर अबुआ दिशोम जैसी योजना के लाभ के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं।

मौके पर झामुमो जिला सचिव मो सफीक खान ने कहा , इस बहूचर्चित कार्यक्रम और अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में मिलने वाले एक-एक आवेदन रजिस्टर्ड किए जाएंगे और संबंधित आवेदकों को उनके मोबाइल नंबर पर मैसेज देकर इसकी जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आवेदनों पर होनेवाली कार्रवाई की भी जानकारी दी जाएगी। हर आवेदन पर कार्रवाई होगी और आवेदक की समस्याओं का निराकरण होगा । राज्य के हर क्षेत्र में बिजली-पानी-सड़क, पुल -पुलिया और स्कूल -कॉलेज बनाने का काम तेज गति से चल रहा है। अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर की जा रही है।

झामुमो जिला कोषाध्यक्ष नोवास केरकेट्टा ने कहा कि मुख्यमंत्री का अथक प्रयास है कि झारखंड को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर सकें। रोजगार के मोर्चे पर हमारी सरकार बेहद संवेदनशील है। सरकारी और निजी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर युवाओं को नौकरी दी जा रही है । वहीं, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के माध्यम से रोजगार के इच्छुक युवाओं को आर्थिक मदद दे रही है। युवा अपने पैरों पर खड़ा हो सके, इसके लिए झारखण्ड सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है । इस अवसर परझामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव राजेश टोप्पो, जीप सदस्य बानो बिरजो कंडुलना,प्रखंड और पंचायत के झामुमो पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहें और हजारों की संख्या में पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थें और योजनाओं का लाभ भी लिए।